Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

एनडीए सम्मेलन, नई दिल्ली

वर्ष-21, अंक-11 01-15 जून, 2026 (पाक्षिक) ₹20

मोदी सरकार के 12 वर्ष

'विश्वास, विकास और जन-कल्याण की एक परिवर्तनकारी यात्रा'

नई दिल्ली में 10 जून, 2026 को एनडीए सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन

पटना (बिहार) में 23 मई, 2026 को 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान' के तहत पटना महानगर जिला प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन

देहरादून में 29 मई, 2026 को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों, मोर्चा अध्यक्षों, महामंत्रियों, जिला प्रभारियों व सह-प्रभारियों एवं जिला अध्यक्षों से अभिवादन स्वीकार करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन

बेंगलुरु (कर्नाटक) में 24 मई, 2026 को सार्वजनिक जीवन के 50 स्वर्णिम वर्ष पूरे करने पर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बी.एस. येदियुरप्पा को बधाई देते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन

भुज (गुजरात) में 29 मई, 2026 को बॉर्डर आउट पोस्ट का उद्घाटन करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

शिरडी (महाराष्ट्र) में 23 मई, 2026 को 'डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स' के उद्घाटन समारोह के दौरान रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस एवं अन्य वरिष्ठ नेतागण

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

सहायक संपादक
विपुल शर्मा
राजीव कुमार

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

प्रसार एवं सदस्यता
अमित सक्सेना

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

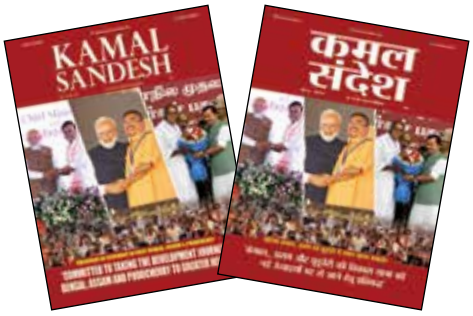

Scan to Download
www.kamalsandesh.org

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए विष्णु मित्तल द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। संपादक- डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

विषय-सूची

06 **प्रधानमंत्री मोदीजी भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार 'सेवा' करने वाले प्रधानमंत्री बने व मोदी सरकार के 12 वर्ष**
भारत, हाल ही में दो बड़ी उपलब्धियां का साक्षी बना, जो माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत...

13 **140 करोड़ देशवासियों का साझा संकल्प है विकसित भारत : नरेन्द्र मोदी**
देश में सबसे अधिक दिनों तक निर्वाचित प्रधानमंत्री का अप्रतिम रिकॉर्ड बनाने के अवसर पर 10 जून, 2026 को नई दिल्ली...

21 **भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का उत्तराखंड प्रवास**
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने अपने उत्तराखंड प्रवास के दौरान देहरादून में कई महत्वपूर्ण...

14 **एनडीए बैठक में पारित प्रस्ताव**
हम, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), भारत की जनता के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को लगातार कार्यकाल में भारत...

22 **भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का कर्नाटक प्रवास**
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने 24 मई, 2026 को अपने बेंगलुरु (कर्नाटक) प्रवास के दौरान कई...

लेख

4,399 दिनों की एक लंबी नेतृत्व यात्रा / **एम. वेंकैया नायडू** 26
विकसित भारत एक नारा नहीं, संकल्प है / **नितिन नवीन** 27
'मोदी इतने सफल इसलिए हैं क्योंकि वे चिंतनशील हैं' / **एच.डी. देवेगौड़ा** 28
मोदी सरकार में राज्यों के विकास की असीम संभावनाएं / **एन. चंद्रबाबू नायडू** 30
देश की सुरक्षा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी / **शिवप्रकाश** 31

अन्य

मंत्रिमंडल ने प्रस्ताव पारित कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बने रहने के लिए दी बधाई 19
'केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है' 23
भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का बिहार प्रवास 24
'भाजपा को जानें' पहल 25
गुजरात के पूर्व मंत्री एवं भाजपा विधायक योगेश पटेल नहीं रहे 29
मन की बात 33

नरेन्द्र मोदी

देश के हर जरूरतमंद तक पीडीएस के माध्यम से समय पर खाद्यान्न पहुंचे, इसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में सार्थक पीडीएस को ज्यादा आधुनिक और प्रभावी बनाकर जारी रखने का फैसला किया गया है। इससे पीडीएस से होने वाली डिलिवरी, लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन व्यवस्था अधिक पारदर्शी और बेहतर बनेगी, साथ ही शिकायतों के समाधान में भी तेजी आएगी।

(27 मई, 2026)

नितिन नवीन

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार में खगड़िया–पूर्णिया खंड (NH-31 एवं NH-231) को 4-लेन में अपग्रेड करने की मंजूरी दी है। 3,936 करोड़ रुपए की इस परियोजना से क्षेत्र में कनेक्टिविटी, सड़क सुरक्षा और लॉजिस्टिक्स क्षमता मजबूत होगी, व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और यात्रा समय में कमी आएगी। यह निर्णय 'विकसित भारत, विकसित बिहार' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

(03 जून, 2026)

राजनाथ सिंह

डिफेंस कॉरिडोर के माध्यम से उत्तर प्रदेश भारत के रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बना रहा है। यहां लखनऊ में ब्रह्मोस का भी निर्माण हो रहा है। और भी कई तरह से उत्तर प्रदेश डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग को मज़बूत कर रहा है।

(30 मई, 2026)

अमित शाह

मोदी सरकार भारत की सीमाओं को और अधिक सुरक्षित, सशक्त एवं अभेद्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी संकल्प के तहत आज गुजरात के भुज में बॉर्डर आउट पोस्ट G-7 और G-13 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सीमा की रक्षा में दिन-रात तत्पर रहने वाले बीएसएफ के वीर एवं सतर्क जवानों से संवाद भी किया।

(29 मई, 2026)

जगत प्रकाश नड्डा

भारत ने संक्रामक रोगों के नियंत्रण में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। 2014 में देश पोलियो-मुक्त बना, 2015 में नियोनेटल एवं मातृ टेटनस का उन्मूलन हुआ और 2024 में ट्रैकोमा अब सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता नहीं रहा। काला-अजार उन्मूलन के लिए हम WHO प्रमाणन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

(02 जून, 2026)

बी.एल. संतोष

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री के तौर पर 4399वें दिन में प्रवेश करने के साथ ही उन्होंने एक ऐसा नया बेंचमार्क स्थापित किया है जिसे पार करना आसान नहीं होगा। यह बेंचमार्क व्यक्तिगत जुड़ाव, बेजोड़ मेहनत, कार्य को व्यापक पैमाने पर पूरा करने की क्षमता, संगठनात्मक प्रयास और ऐसी ही अन्य विभिन्न खूबियों का प्रतीक है। बधाई हो, महोदय।

#LongestServingElectedPMModi

(02 जून, 2026)

‘मां भारती’ को समर्पित एक सतत यात्रा

स्वतंत्र भारत में लगातार चुने जाने और सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने वाले नेता के रूप में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की यह उपलब्धि केवल एक व्यक्तिगत मील का पत्थर नहीं है, बल्कि देश की लोकतांत्रिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव भी है। यह 140 करोड़ भारतीयों के उस अटूट विश्वास को दर्शाती है, जो उन्होंने ऐसे नेता में व्यक्त किया है, जिनकी राजनीति सेवा, समर्पण और देश को बदलने के दृढ़ संकल्प पर आधारित है। एक साधारण पृष्ठभूमि से लेकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता बनने तक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा ‘नए भारत’ की आकांक्षाओं और आशाओं का प्रतीक है। उनका यह ऐतिहासिक कार्यकाल लोकतांत्रिक जनादेश की शक्ति तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों, समुदायों और विभिन्न पीढ़ियों के लोगों के साथ उनके गहरे जुड़ाव का प्रमाण है। लोकतांत्रिक इतिहास में ऐसे उदाहरण बहुत कम ही देखने को मिलते हैं, जब किसी नेता को लगातार जनता का इतना व्यापक स्नेह और विश्वास प्राप्त हुआ हो और वह भी तब जब उनके नेतृत्व में इतने बड़े पैमाने पर परिवर्तनकारी सुधार सफलतापूर्वक लागू किए गए हों।

पिछले एक दशक में भारत ने नीतिगत पंगुता से निर्णायक शासन, भ्रष्टाचार-लिप्त व्यवस्था से पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-संचालित शासन प्रणाली तथा लचर वैश्विक रुख से आत्मविश्वास से परिपूर्ण अंतरराष्ट्रीय नेतृत्व की ओर एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़, दूरदर्शी और परिणामोन्मुख नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति बनाए हुए है। आज भारत एक वैश्विक डिजिटल शक्ति, ‘ग्लोबल साउथ’ की सशक्त और विश्वसनीय आवाज तथा ऐसा राष्ट्र बनकर उभरा है जो केवल अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया ही नहीं देता, बल्कि वैश्विक विमर्श को दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में अनेक ऐतिहासिक सुधारों और राष्ट्र-निर्माण की पहलों को लागू किया गया है, जिन्होंने शासन और विकास के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित किया है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), डिजिटल इंडिया, जन धन योजना, यूपीआई, आयुष्मान भारत, पीएम-आवास योजना, जल जीवन मिशन और पीएम-गति शक्ति जैसी पहलें नागरिकों को सशक्त बनाने, बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने तथा नई पीढ़ी के लिए अवसरों का विस्तार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुई हैं। ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास’ के मार्गदर्शक मंत्र ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे तथा देश के सबसे गरीब, वंचित और कमजोर वर्ग भी प्रगति की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

एक साधारण पृष्ठभूमि से लेकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता बनने तक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा ‘नए भारत’ की आकांक्षाओं और उम्मीदों का प्रतीक है। उनका यह ऐतिहासिक कार्यकाल लोकतांत्रिक जनादेश की शक्ति तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों, समुदायों और पीढ़ियों के लोगों के साथ उनके गहरे जुड़ाव का प्रमाण है

राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रणनीतिक स्पष्टता, निर्णायक नेतृत्व और दृढ़ संकल्प के एक नए युग की शुरुआत की है। सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक, अनुच्छेद 370 की समाप्ति, वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध सख्त कार्रवाई तथा ‘नक्सल-मुक्त भारत’ के लक्ष्य की दिशा में किए गए प्रयासों के साथ-साथ रक्षा क्षमताओं के सुदृढ़ीकरण जैसे कदमों ने भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और राष्ट्रीय आत्मविश्वास को नई मजबूती प्रदान की है। इसके साथ ही, भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और पुनर्जागरण पर दिया गया उनका विशेष बल भी उल्लेखनीय रहा है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण से लेकर देशभर के अनेक पवित्र और ऐतिहासिक सांस्कृतिक स्थलों के पुनर्विकास एवं जीर्णोद्धार तक की पहलों ने करोड़ों भारतीयों में सांस्कृतिक गौरव और अपनी सभ्यतागत विरासत के प्रति नए आत्मविश्वास का संचार किया है। इस ऐतिहासिक कार्यकाल को वास्तव में असाधारण बनाने वाली बात यह है कि यह भारत के व्यापक और अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर के साथ जुड़ा रहा है। आज भारत पहले की तुलना में अधिक एकजुट, डिजिटल रूप से अधिक सशक्त, आर्थिक रूप से अधिक मजबूत और वैश्विक स्तर पर अधिक प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में उभरा है। कमजोर अर्थव्यवस्थाओं की श्रेणी से निकलकर विश्व अर्थव्यवस्था के प्रमुख ‘ग्रोथ इंजन’ के रूप में स्थापित होने तक की भारत की यात्रा, सुधार, प्रदर्शन और प्रभावी जनसेवा पर आधारित शासन मॉडल की सफलता का सशक्त प्रमाण प्रस्तुत करती है। 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी के चंगुल से बाहर निकालने से लेकर करोड़ों नागरिकों को सशक्त बनाने तथा समाज के कमजोर, शोषित, वंचित और हाशिए पर रहने वाले वर्गों के उत्थान तक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने समावेशी विकास और निर्णायक शासन के एक नए युग की शुरुआत की है।

जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सार्वजनिक जीवन में एक और ऐतिहासिक अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं, तब उनके कार्यकाल का मूल्यांकन केवल दिनों, महीनों या वर्षों की अवधि से नहीं किया जा सकता। इसे जनाकांक्षाओं की पूर्ति, सृजित अवसरों और देश के भविष्य के प्रति पुनर्जीवित हुए विश्वास के आधार पर आंका जाएगा। करोड़ों भारतीयों के लिए उनका यह ऐतिहासिक कार्यकाल निरंतरता, स्थिरता और विकसित भारत के संकल्प का प्रतीक बन चुका है। जैसे-जैसे देश ‘विकसित भारत @2047’ के लक्ष्य की ओर अग्रसर हो रहा है, यह महत्वपूर्ण पड़ाव न केवल अब तक की उपलब्धियों का उत्सव है, बल्कि उस महत्वाकांक्षी और परिवर्तनकारी यात्रा को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने का अवसर भी है, जो अभी निरंतर जारी है। भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 4,399 दिन पूरे होना तथा इससे पूर्व गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में 13 वर्षों से अधिक समय तक सेवा, शासन और राष्ट्र-निर्माण के प्रति उनकी एक चौथाई सदी से अधिक की सतत एवं अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। उनकी यह ‘अथक यात्रा’ अनुशासन, परिश्रम, दृढ़ संकल्प, अदम्य इच्छाशक्ति और राष्ट्रसेवा के प्रति पूर्ण समर्पण का अनुपम उदाहरण है। यह यात्रा ‘मां भारती’ के प्रति उनकी अटूट निष्ठा और भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के संकल्प की सशक्त अभिव्यक्ति भी है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

4,399 दिन

जिन्होंने बदल दी देश की दिशा

- अनुच्छेद 370 हटाया गया
- 500 साल के इंतज़ार के बाद राम मंदिर का हुआ निर्माण
- UPI – दुनिया की सबसे बड़ी रियल-टाइम भुगतान प्रणाली
- GST – एक राष्ट्र, एक कर
- नक्सल मुक्त भारत
- वंदे भारत – भारत की पहली स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड ट्रेन
- खुले में शौच से मुक्त भारत
- दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था

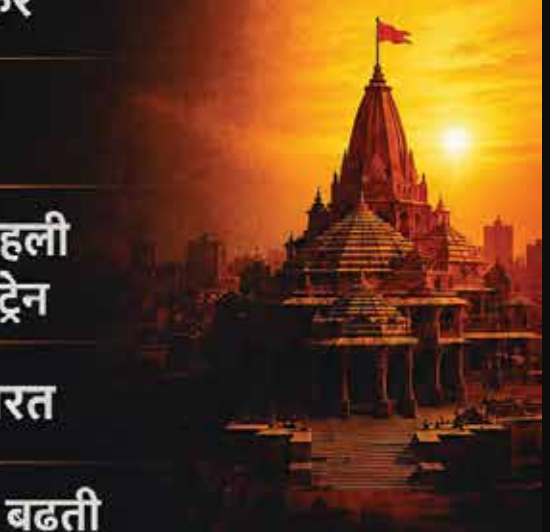

प्रधानमंत्री मोदीजी भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार 'सेवा' करने वाले प्रधानमंत्री बने व

मोदी सरकार के 12 वर्ष

भारत, हाल ही में दो बड़ी उपलब्धियां का साक्षी बना, जो माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत होते लोकतांत्रिक संस्थानों और निरंतर परिवर्तनशील शासन की शक्ति को दिखाती हैं। 10 जून, 2026 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार चुने गए प्रधानमंत्री बनकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, वह लगातार 4,399 दिन तक इस पद पर बने रहे। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के लगातार 4,398 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने भारत के पहले आम चुनावों के बाद 13 मई, 1952 से 27 मई, 1964 तक लगातार पद संभाला था। यह उपलब्धि 2014, 2019 और 2024 में लगातार तीन आम चुनावों में जनता द्वारा श्री नरेन्द्र मोदी पर जताए भरोसे को दिखाता है, जिससे वे लगातार जनता की सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं। दूसरी ऐतिहासिक उपलब्धि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपानीत नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के शासन के 12 साल पूरे होना है। यह एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

2014 में जीत के बाद से मोदी सरकार ने एक मजबूत, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने के उद्देश्य से 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के दृष्टिकोण पर काम किया है। इन बारह वर्षों में देश के हर क्षेत्र में बड़े बदलाव हुए हैं। सरकार ने बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, सामाजिक कल्याण योजनाओं को बेहतर ढंग से पहुंचाने, डिजिटल लेन-देन में गति लाने, वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने, आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने, कनेक्टिविटी बेहतर करने और वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को मजबूत करने पर ध्यान दिया है। इस दौरान समावेशी विकास, सुशासन, पारदर्शिता और सभी क्षेत्रों में नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए भी कई अहम पहलें की गई हैं।

सत्ता में बारह साल पूरे होने और श्री नरेन्द्र मोदी के लगातार चुने हुए भारत के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का यह संयोग, समकालीन भारतीय राजनीति में एक अहम पल है। इन बारह वर्षों की कहानी केवल शासन-प्रशासन की नहीं है; यह भरोसे, विकास, जन-भागीदारी और राष्ट्र-निर्माण की कहानी है। ये उपलब्धियां लोकतांत्रिक जनादेश की मजबूती और शासन की निरंतरता, दोनों को दिखाती हैं, जिससे जून, 2026 भारत की राजनीतिक और विकास यात्रा में एक ऐतिहासिक दौर बन जाता है।

विश्वास, विकास एवं जन-कल्याण की एक परिवर्तनकारी यात्रा

सुशासन से विश्वास की यात्रा

मोदी सरकार की एक विशेष बात सरकार और जनता के बीच बना भरोसे का मजबूत रिश्ता रहा है। यह भरोसा मजबूत नेतृत्व, पारदर्शी शासन, सीधे संवाद और राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर देश की सेवा करने के संकल्प से बना है।

भारत की जनता ने बार-बार इस दूरदर्शी नेतृत्व पर मुहर लगाई है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में ऐतिहासिक जनादेश दिया और पश्चिम बंगाल, असम, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार, ओडिशा जैसे प्रदेशों में भी भारी जीत दिलाई, जिन्हें पहले चुनौतिपूर्ण माना जाता था। सेवा, जवाबदेही और नतीजों पर आधारित शासन पर सरकार के जोर ने लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का भरोसा मजबूत किया है।

जून, 2024 में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जिस पहली फाइल पर हस्ताक्षर किए, वह पीएम-किसान योजना की किस्त जारी करने से जुड़ी थी। यह किसानों के कल्याण और समावेशी विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

डिजिटल इंडिया और तकनीकी प्रगति

- डिजिटल इंडिया पहल ने गवर्नेंस और नागरिकों को मिलने वाली सेवाओं में बुनियादी बदलाव किए हैं।
- 'ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस' (व्यापार करने में आसानी) की ग्लोबल रैंकिंग में भारत ने जबरदस्त सुधार किया है और 142वें स्थान से 63वें स्थान पर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान के माध्यम से छह करोड़ से अधिक नागरिक डिजिटल रूप से साक्षर हुए हैं।
- जैम ट्रिनिटी— जन धन, आधार और मोबाइल— ने सर्विस डिलीवरी में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे 51 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि ट्रांसफर की गई है, जिससे लीकेज और भ्रष्टाचार खत्म

"राष्ट्र के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने के इस अद्वितीय सम्मान पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को हार्दिक बधाई। यह ऐतिहासिक अवसर भारत की जनता द्वारा आपके नेतृत्व में व्यक्त किए गए स्थायी विश्वास और भरोसे का प्रमाण है।

आपका कार्यकाल शासन, आर्थिक मजबूती और सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में दूरगामी उपलब्धियों से चिह्नित रहा है। व्यापक जनकल्याणकारी पहलों ने विकास के लाभों को अधिक समावेशी और न्यायसंगत तरीके से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया है, जो अंत्योदय के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आपके नेतृत्व में शुरू की गई अनेक पहलों में से पीएम-जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान मेरे हृदय के विशेष रूप से निकट हैं।

आपकी प्रेरणादायक यात्रा भारत की सशक्त लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति आशा और नए विश्वास का संचार करती है। मैं आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करती हूं, ताकि आप आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में देश का नेतृत्व करते हुए राष्ट्र की सेवा करते रहें।"

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
(भारत की माननीया राष्ट्रपति)

हुआ है।

- भारतनेट प्रोजेक्ट ने ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क के माध्यम से 2.14 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को जोड़ा है, जिससे ग्रामीण भारत डिजिटल मुख्यधारा से जुड़ गया है।
- भारत डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनकर उभरा है। यूपीआई ट्रांज़ेक्शन में 12,000 गुना से अधिक की बढ़ोतरी हुई है और सालाना ट्रांज़ेक्शन की कुल वैल्यू 314 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई है।
- टेक्नोलॉजी ने डिजिटल डैशबोर्ड, जीईएम पोर्टल, फेसलेस टैक्सेशन और ऑनलाइन सर्विस डिलीवरी सिस्टम के माध्यम से पारदर्शिता को भी बढ़ाया है।

इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति

- मोदी सरकार में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास भारत की तरक्की की कहानी के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक बन गया है।
- नेशनल हाईवे नेटवर्क 2014 में 91,287 किलोमीटर से बढ़कर 1.46 लाख किलोमीटर से अधिक हो गया है। हाईवे बनाने की गति 2014 में 11.6 किलोमीटर प्रतिदिन से बढ़कर आज 34 किलोमीटर प्रतिदिन से अधिक हो गई है।

"मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को हृदय से बधाई देता हूं, जिन्होंने भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर जनता द्वारा चुने सबसे लंबे समय तक लगातार इस पद पर बने रहने वाले प्रधानमंत्री का एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि केवल उनके कार्यकाल की अवधि को ही नहीं दर्शाती, बल्कि हमारे देश की विकास यात्रा में बदलाव के एक नए युग को भी दिखाती है।

जिस तरह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने लाखों लोगों को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराया था, उसी तरह हमारे समय में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 करोड़ से अधिक लोगों को घोर गरीबी की क्रूर बेड़ियों से मुक्त कराया है, लाखों परिवारों के जीवन में रोशनी फैलाई है और मानव इतिहास में एक बेहतरीन कीर्तिमान स्थापित किया है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत हर क्षेत्र में गर्व के साथ आगे बढ़ रहा है— चाहे वह आर्थिक विकास हो, बुनियादी ढांचे का विस्तार हो, सामाजिक प्रगति हो, तकनीकी उन्नति हो, वैश्विक मंच पर भारत का कद बढ़ाना हो, या भारत की सांस्कृतिक विरासत का पुनरुद्धार हो।

भारत के लिए उनका योगदान अतुलनीय है: देश की समृद्ध सांस्कृतिक गौरव को संजोना, गुमनाम ऐतिहासिक नायकों और स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करना, औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होना और अपनी सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करना। काशी-तमिल संगमम, सौराष्ट्र-तमिल संगमम, नए संसद भवन में पवित्र सेंगोल की स्थापना, चोलों की गौरवशाली विरासत का जश्न मनाने के लिए गंगईकोंडा चोलपुरम की यात्रा, और विदेशों से दुर्लभ कलाकृतियों व प्राचीन वस्तुओं को वापस लाने जैसी पहलों ने भारत की शाश्वत विरासत और सांस्कृतिक परंपराओं को समृद्ध किया है।

इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र में अपने संबोधन में तमिल ऋषि कनियान पूंगुंद्रनार की अमर पंक्तियों— 'याधुम ऊरे, यावरुम के लिए' (हर जगह हमारा घर है, हर कोई हमारा रिश्तेदार है)—का उल्लेख करके उन्होंने दुनिया को 'वसुधैव कुटुंबकम' की भारत की महान विचारधारा से परिचित कराया है। 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ने की यात्रा में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत और मार्गदर्शन करने वाली शक्ति के रूप में कार्य करता है।

इतिहास उन महान नेताओं को कभी नहीं भूलता जो मानवता के उत्थान के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। वे समय के इतिहास में युग-निर्माता के रूप में खड़े होते हैं। भारत के इतिहास के इस अहम दौर में अपने दूरदर्शी नेतृत्व, अथक समर्पण और देश के कल्याण के प्रति अटूट उत्साह के साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है और वे आज के भारत के 'युग पुरुष' हैं। ऐसे समय में जब उन्होंने जनता द्वारा चुने गए प्रधानमंत्री के तौर पर सबसे लंबे समय तक लगातार पद पर रहने का ऐतिहासिक कीर्तिमान बनाया है, मैं देश की निरंतर सेवा के लिए उन्हें अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।"

श्री सी. पी. राधाकृष्णन
(भारत के माननीय उपराष्ट्रपति)

'आज देश को दुनिया भर में एक नई पहचान मिली है'

"हमारी सरकार के बीते 12 वर्ष विश्वास, विकास और जन कल्याण को समर्पित रहे हैं। 140 करोड़ देशवासियों के आशीर्वाद और राष्ट्र प्रथम की भावना से हमने युवाओं, महिलाओं और अपने किसान भाई-बहनों को सशक्त बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। यह हमारे अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर डिजिटल क्रांति तक आज देश को दुनिया भर में एक नई पहचान मिली है। 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए हम सेवा, सुशासन और समृद्धि के इसी पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे।"

श्री नरेन्द्र मोदी
(भारत के माननीय प्रधानमंत्री)

'सेवा, सुशासन और जन-कल्याण का युग'

"12 साल पहले माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। इसके साथ ही सेवा, सुशासन और जन-कल्याण पर केंद्रित एक नए युग की शुरुआत हुई। प्रधानमंत्री जी देश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। इस दौरान गरीबों के कल्याण, किसानों की समृद्धि, महिलाओं के सशक्तीकरण, युवाओं के लिए अवसर, स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास, डिजिटल बदलाव और बुनियादी ढांचे के अभूतपूर्व विस्तार को नई गति मिली है। अनुच्छेद 370 को ऐतिहासिक रूप से हटाना, श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण और हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को फिर से स्थापित करना— इन सभी ने देश की पहचान, आत्म-सम्मान और सांस्कृतिक चेतना में नई ऊर्जा का संचार किया है। इस परिवर्तनकारी यात्रा के केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी जी की 'प्रधान सेवक' वाली भावना और सेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता रही है। इसी भावना से प्रेरित होकर हम सभी अपने सामूहिक प्रयासों से 'विकसित भारत 2047' के साझा सपने को साकार करने के लिए पूरी तरह संकल्पित हैं।"

श्री नितिन नवीन
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा

- ग्रामीण कनेक्टिविटी में शानदार बदलाव आया है। पिछले बारह सालों में लगभग चार लाख किलोमीटर ग्रामीण सड़कें बनाई गई हैं, जिनसे गांवों को बाजारों, अस्पतालों, स्कूलों और आर्थिक केंद्रों से जोड़ा गया है।
- चिनाब ब्रिज, अटल टनल और नए पंबन ब्रिज जैसे कई अहम इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स ने भारत की इंजीनियरिंग क्षमता को दिखाया है और दुर्गम इलाकों में कनेक्टिविटी को मजबूत किया है।
- रेलवे के आधुनिकीकरण में तेजी आई है। 99.6 प्रतिशत से अधिक ब्रॉड-गेज रेलवे रूट का विद्युतीकरण हो चुका है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1,337 से अधिक रेलवे स्टेशनों को अपग्रेड किया जा रहा है।
- 164 वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत ने विश्व-स्तरीय, तेज और सुरक्षित ट्रांसपोर्टेशन देकर रेल यात्रा के अनुभव को पूरी तरह बदल दिया है।
- शहरी परिवहन में भी जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। मेट्रो रेल सेवाएं 2014 में पांच शहरों में 248 किलोमीटर के नेटवर्क से बढ़कर 26 से अधिक शहरों में 1,095 किलोमीटर से अधिक हो गयी हैं।
- एविएशन सेक्टर में कार्यरत हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 164 से अधिक हो गई है।

'राष्ट्र प्रथम से प्रेरित एक अथक कर्मयोगी'

"श्री नरेन्द्र मोदी जी को भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर बधाई। उन्होंने अपने कार्यकाल के 4,399 दिन पूरे कर लिए हैं। 'राष्ट्र प्रथम' से प्रेरित एक अथक कर्मयोगी के रूप में उनका कार्यकाल भारत के प्रति अटूट समर्पण, देशवासियों के कल्याण के प्रति दृढ़ संकल्प और राष्ट्र की सेवा में परिवर्तनकारी नेतृत्व को दर्शाता है। यह उपलब्धि भारत की जनता द्वारा उनके नेतृत्व में जताए गए अटूट भरोसे और समावेशी विकास व सुशासन के प्रति उनकी निरंतर कोशिशों का प्रमाण है।

पिछले बारह वर्षों में भारत ने विकास और वैश्विक नेतृत्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। साथ ही, देश में एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण भी हुआ है, जिससे भारत अधिक आत्मविश्वास से भरा और अपनी विरासत से गहराई से जुड़ा हुआ राष्ट्र बना है।

जैसाकि देश 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, प्रधानमंत्री श्री मोदी देश को अधिक समृद्धि, प्रगति और वैश्विक प्रमुखता की ओर ले जाने हेतु लगातार नेतृत्व कर रहे हैं।"

श्री राजनाथ सिंह
(केंद्रीय रक्षा मंत्री)

'दुनिया एक सक्षम, सशक्त तथा नए भारत के उदय की साक्षी बन रही है'

"देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में जनता की सेवा करने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

मोदी जी के यह 12 वर्ष भारत के स्वाभिमान, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करने का निर्माण हुआ, तीन नए कानून लागू हुए, नई शिक्षा नीति और मातृभाषाओं में मेडिकल व इंजीनियरिंग शिक्षा का मार्ग प्रशस्त हुआ तथा आत्मनिर्भर भारत हर भारतीय का संकल्प बना। इन 12 वर्षों में एक तरफ देश की सीमाएं सुरक्षित हुईं, कश्मीर से 370 समाप्त हुई, राम मंदिर का निर्माण हुआ, नक्सलवाद का अंत हुआ और आतंकवाद पर नकेल कस हर आतंकी घटना का मुंहतोड़ जवाब दिया, वहीं देश की सामूहिक शक्ति ने हीनता के भाव से बाहर निकलकर अपनी विरासत, संस्कृति और सामर्थ्य पर गर्व करना सीखा। देशवासियों को सुरक्षित बनाना और उनके खोए हुए आत्मसम्मान व गौरव को लौटाना मोदी जी की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

आज नया भारत पूरे आत्मविश्वास के साथ विश्व के हर मंच पर अपनी पहचान स्थापित कर रहा है और दुनिया एक सक्षम, सशक्त तथा नए भारत के उदय की साक्षी बन रही है।"

श्री अमित शाह
(केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री)

आर्थिक बदलाव और विकास

- पिछले बारह वर्षों में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभरा है।
- भारत दुनिया की कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिने जाने की स्थिति से निकलकर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। 2025-26 में देश की जीडीपी 345 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है, जो अभूतपूर्व आर्थिक विस्तार को दर्शाती है।
- गुड्स एंड सर्विसेज़ टैक्स (जीएसटी), डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी), इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड, फेसलेस टैक्सेशन और डिजिटल इंडिया जैसे कदमों ने पारदर्शिता और कार्यक्षमता में सुधार किया है।
- 2014 और 2025 के बीच 70 लाख करोड़ रुपये से अधिक का विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) भारत की आर्थिक क्षमता में वैश्विक भरोसे को दिखाता है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 696 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जिससे अर्थव्यवस्था को स्थिरता और मजबूती मिली है।

कल्याण और गरीबी उन्मूलन

- मोदी सरकार ने 'सैचुरेशन-बेस्ड अप्रोच' (हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचने की नीति) के माध्यम से गरीबों के कल्याण को प्राथमिकता दी है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी पात्र नागरिकों को लाभ मिले।
- सरकारी अनुमानों के अनुसार 2014 से अब तक 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर आए हैं।
- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 81 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को निःशुल्क अनाज दिया गया, खासकर कोविड-19 महामारी के दौरान।
- प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चार करोड़ से अधिक परिवारों को पक्के घर मिले हैं।
- जन धन योजना के तहत 58 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं, जिससे लाखों लोग औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जुड़े हैं।
- मुद्रा योजना के तहत 57 करोड़ से अधिक बिना गारंटी वाले (कोलेटरल-फ्री) लोन मंजूर किए गए हैं।
- पीएम स्वनिधि के माध्यम से 74 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को आर्थिक मदद मिली है।

किसानों का कल्याण एवं कृषि विकास

- कृषि, सरकार की विकास रणनीति का मुख्य हिस्सा रही है।

- पीएम-किसान योजना के तहत 11 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में सीधे 4.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि भेजी गई है।
- किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है, जिससे किफायती कृषि ऋण मिलना आसान हो गया है।
- 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' (Per Drop More Crop) पहल के तहत 109 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को सूक्ष्म-सिंचाई के दायरे में लाया गया है, जिससे पानी के उपयोग और उत्पादकता दोनों में सुधार हुआ है।
- भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश भी बन गया है; पिछले दशक में दूध का उत्पादन लगभग 70 प्रतिशत बढ़ा है।

महिला सशक्तीकरण

- महिला सशक्तीकरण मोदी सरकार की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक रही है।
- महिलाओं के 32 करोड़ से अधिक जन धन खाते खोले गए हैं, जिससे वित्तीय समावेश को बढ़ावा मिला है।
- उज्ज्वला योजना के तहत लगभग 11 करोड़ एलपीजी कनेक्शन दिए गए हैं, जिससे महिलाओं को धुएं से भरी रसोई से मुक्ति मिली है।
- 'लखपति दीदी' पहल ने तीन करोड़ से अधिक महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया है।
- बेटियों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए 4.5 करोड़ से अधिक सुकन्या समृद्धि खाते खोले गए हैं।
- सुरक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी 3,000 अधिकारियों से बढ़कर 11,000 से अधिक हो गई है।
- मातृत्व अवकाश को 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया गया है, जिससे कामकाजी माताओं का जीवन आसान हुआ है।

युवा

- आईआईटी, एम्स, आईआईएम, आईआईएसईआर और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के नए कैंपस समेत बेहतरीन शिक्षण संस्थानों की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी।
- देश भर में तकनीकी, मेडिकल और प्रोफेशनल शिक्षा तक बेहतर पहुंच।
- लाखों युवाओं को अलग-अलग सरकारी कार्यक्रमों के माध्यम से स्किल ट्रेनिंग मिली है।
- एंटरप्रेन्योरशिप और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए 'स्टार्टअप इंडिया' की शुरुआत।
- भारत दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक के तौर पर उभरा है, जिससे युवा एंटरप्रेन्योर्स और नौकरी चाहने वालों के लिए मौके बने हैं।
- डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, किफायती इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं का विस्तार।
- डिजिटल इकॉनमी के बढ़ने से टेक्नोलॉजी, ई-कॉमर्स, फिनटेक और डिजिटल सेवाओं में रोजगार के नए मौके बने हैं।

स्वास्थ्य और शिक्षा

- पिछले बारह वर्षों में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे का काफी विस्तार हुआ है।
- आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना के रूप में उभरी है, जिसमें 60 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को सालाना 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलता है।
- सरकार ने 23 नए एम्स और कई मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी है, जिससे स्वास्थ्य सेवा क्षमता और चिकित्सा शिक्षा के अवसरों में काफी वृद्धि हुई है।
- मिशन इंद्रधनुष के तहत 5.4 करोड़ से अधिक बच्चों का टीकाकरण किया गया है।
- पीएम सुरक्षित मातृत्व अभियान से 7.3 करोड़ से अधिक गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच का लाभ मिला है।

मैन्युफैक्चरिंग, स्टार्टअप और आत्मनिर्भरता

- मोदी सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पर जोर देने से घरेलू मैन्युफैक्चरिंग मजबूत हुई है।
- प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम से 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री हुई है और 12 लाख से अधिक नौकरियां पैदा हुई हैं।

- भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन बनाने वाला देश बन गया है। मोबाइल का निर्यात असाधारण रूप से 163 गुना बढ़ा है।
- देश में अब 2.06 लाख से अधिक स्टार्टअप और 120 यूनिकॉर्न हैं, जबकि 2014 में केवल 500 स्टार्टअप और चार यूनिकॉर्न थे।
- सेमीकंडक्टर मिशन के तहत 1.64 लाख करोड़ रुपये के बारह प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है, जिससे भारत एक उभरते हुए सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर स्थापित हो रहा है।

मध्यम वर्ग

- इनकम टैक्स में राहत और टैक्स फाइलिंग की प्रक्रियाओं को आसान बनाया गया है।
- प्रधानमंत्री आवास योजना का विस्तार, सब्सिडी और किफायती घरों के लिए मदद के माध्यम से घर लेने के सपने को साकार किया गया है।
- हाईवे, एक्सप्रेसवे, रेलवे, एयरपोर्ट, मेट्रो सिस्टम और डिजिटल कनेक्टिविटी में बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है।
- यूपीआई के माध्यम से डिजिटल पेमेंट में बढ़ोतरी ने रोजमर्रा के लेन-देन के तरीके को बदल दिया है।
- आयुष्मान भारत जैसी पहलों के माध्यम से हेल्थ कवरेज का विस्तार और हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया गया है।
- जीएसटी लागू होने से एक एकीकृत राष्ट्रीय बाजार बना और अप्रत्यक्ष कर व्यस्था आसान हुई।
- सरकारी प्रक्रियाओं और सेवाओं के डिजिटाइज़ेशन से पारदर्शिता बढ़ी।
- डिजिटल पेमेंट, ऑनलाइन सेवाओं और टेक्नोलॉजी-आधारित कॉमर्स के माध्यम से पेशेवरों, छोटे व्यवसायों और ग्राहकों, सभी को लाभ हुआ है।

राष्ट्रीय सुरक्षा

- भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है।
- सरकार ने आतंकवाद के प्रति 'ज़ीरो-टॉलरेंस' नीति अपनाई है, जिसे सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के माध्यम से साबित किया गया है।
- रक्षा उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है और देश में ही होने वाला उत्पादन 1.54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।
- रक्षा निर्यात 2014 के 686 करोड़ रुपये से बढ़कर 38,400 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है; अब भारतीय रक्षा उत्पाद 100 से अधिक देशों तक पहुंच रहे हैं।
- उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर ने घरेलू मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को मजबूत किया है।
- वामपंथी उग्रवाद में भारी कमी और 'रेड कॉरिडोर' का 'ग्रीन ग्रोथ ज़ोन' में बदलना आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण और राष्ट्रीय पहचान

- मोदी सरकार ने आधुनिकता को अपनाते हुए भारत की सभ्यतागत विरासत को संरक्षित करने पर बल दिया है।
- अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक और केदारनाथ धाम का विकास सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण का प्रतीक है।
- भारत में अब 44 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं और विदेशों से 668 अमूल्य कलाकृतियों को सफलतापूर्वक वापस लाया है।
- सरकार ने प्रतीकात्मक पहलों के माध्यम से औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति को बढ़ावा दिया है, जैसे राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ, रेस कोर्स रोड का नाम लोक कल्याण मार्ग और मुगल गार्डन का नाम अमृत उद्यान किया गया है।
- 177 देशों के समर्थन से मनाए जाने वाले 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' ने दुनिया भर में भारत के सांस्कृतिक प्रभाव को मजबूत किया है।

वैश्विक नेतृत्व और विदेश नीति

- पिछले बारह वर्षों में वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।
- सफल जी-20 अध्यक्षता ने भारत के नेतृत्व और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच आम सहमति बनाने की क्षमता को प्रदर्शित किया है।
- महामारी के दौरान भारत की 'वैक्सीन मैत्री' पहल ने 99 देशों को टीके उपलब्ध कराए, जिससे एक जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में भारत की भूमिका और मजबूत हुई।
- 39 नए दूतावासों की स्थापना और कई मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर ने भारत की राजनयिक और आर्थिक पहुंच का विस्तार किया है।
- वैश्विक मुद्दों पर भारत को तेजी से समाधान प्रदाता के रूप में देखा जा रहा है, जो भारत के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

मोदी सरकार के बारह साल स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे बड़े बदलावों वाले दौर में से एक है। इस यात्रा में आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे का विस्तार, सामाजिक सशक्तीकरण, डिजिटल बदलाव, सांस्कृतिक पुनरुत्थान और बेहतर राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने से लेकर विश्व-स्तरीय बुनियादी ढांचा बनाने तक और महिलाओं व किसानों को सशक्त बनाने से लेकर वैश्विक मंच पर भारत की आवाज को मजबूत करने तक, इन बारह सालों ने 2047 तक 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण की नींव रखी है। जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, पिछले बारह सालों की उपलब्धियां मजबूत नेतृत्व, जन-भागीदारी और एक समृद्ध, समावेशी, आत्मनिर्भर व विकसित राष्ट्र बनाने के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प की शक्ति का सबूत हैं। ■

एनडीए सम्मेलन, नई दिल्ली

140 करोड़ देशवासियों का साझा संकल्प है विकसित भारत : नरेन्द्र मोदी

देश में सबसे अधिक दिनों तक निर्वाचित प्रधानमंत्री का अप्रतिम रिकॉर्ड बनाने के अवसर पर 10 जून, 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में एनडीए सम्मेलन आयोजित हुआ। इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "पिछले 12 वर्षों की यात्रा उपलब्धियों से भरी रही है। आने वाले वर्ष और भी नई और बड़ी सिद्धियों के होंगे।" उन्होंने कहा कि 2014 में देश में जो आशा और विश्वास का उदय हुआ था, वह आज जनभागीदारी, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण के व्यापक अभियान में बदल हो चुका है। श्री मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार की एक बड़ी सफलता यह भी है कि देश कांग्रेस के कुचक्र से आजाद हुआ है। कांग्रेस ने देश को लाचारी, बेचारगी और हीनभावना के गर्त में गिरा दिया था। उस समय की कार्यशैली और विफलताएं कांग्रेस की थीं, लेकिन कलंक देश की बड़ी हिंदू आबादी के नाम पर लगाया गया था।

कांग्रेस सरकारों की कार्यशैली पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश ने लंबे समय तक ऐसी व्यवस्था देखी, जहां निर्णय लेने में वर्षों लग जाते थे और विकास परियोजनाएं राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में ठहर जाती थीं। इसके विपरीत आज की व्यवस्था का मंत्र है— समय पर निर्णय, बड़े पैमाने पर क्रियान्वयन और परिणामों की निरंतर निगरानी। यही कारण है कि भारत ने इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। देश की आर्थिक प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि आज दुनिया भारत को नए विश्वास के साथ देख रही है। वैश्विक चुनौतियों और अस्थिरताओं के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख इकोनॉमी में शामिल है।

मध्यम वर्ग की भूमिका को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में उठाए गए कदमों ने उसे नई शक्ति और स्थिरता प्रदान की है। हमने मिडिल क्लास की परेशानियों और आकांक्षाओं को समझा। इसलिए आज 12 लाख रुपए तक की आय पूरी तरह से टैक्स फ्री है। आज देश में सरल और फेसलेस टैक्स सिस्टम है।

गरीब कल्याण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि विकास का वास्तविक अर्थ तभी है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। बैंकिंग सुविधाओं से वंचितों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने, गरीबों को पक्का घर देने, स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने जैसे प्रयासों ने करोड़ों लोगों के जीवन को बदलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की हर योजना के केंद्र में गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्ग रहा है।

किसानों के कल्याण और ग्रामीण समृद्धि पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का अन्नदाता केवल खाद्यान्न उत्पादन करने वाला नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक और सामाजिक शक्ति का आधारस्तंभ है।

पिछले 12 साल के आंकड़ों का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि देश का भाग्य तब बदला, जब 2014 में एनडीए की सरकार बनी। 2014 में 74 एयरपोर्ट थे, जो 2026 में 160 से अधिक हो गए। 2014 में एक हजार किलोमीटर एक्सप्रेसवे 2026 में बढ़कर छह हजार सात सौ किलोमीटर हो गए। 2014 में सिर्फ 5 शहरों में मेट्रो थी, जो 2026 में 20 से ज्यादा शहरों में चलने लगीं। 2014 में 700 करोड़ रुपये डिफेंस एक्सपोर्ट 2026 में बढ़कर 23 हजार करोड़ रुपये हो गया। 2014 में 25 करोड़ इंटरनेट यूजर थे, जो 2026 में 100 करोड़ से अधिक हो गए। बीते 12 सालों में देश ने हर सेक्टर में विकास की लंबी यात्रा तय की है।

युवा शक्ति की क्षमता और संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने युवाओं को अवसर, कौशल और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने का काम किया है। स्टार्टअप, डिजिटल अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर और नई तकनीकों के क्षेत्र में भारत के युवाओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा दुनियाभर में मनवाया है। 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को एनडीए की मूल पहचान बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि गठबंधन सरकारों के बारे में कभी यह धारणा थी कि वे बड़े और साहसिक निर्णय नहीं ले सकतीं। पहले असंभव माने जाने वाले आर्टिकल 370 को भी हमने खत्म करके पूरे देश में एक संविधान लागू किया। हमने आतंकवादियों पर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक की। ऑपरेशन सिंदूर में दुनियाभर ने भारत का सामर्थ्य देखा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन के अंत में कहा कि विकसित भारत का सपना केवल सरकार का नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का साझा संकल्प है। एनडीए के सभी कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और सहयोगी दलों की जिम्मेदारी है कि वे इस संकल्प को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनशक्ति, लोकतंत्र की शक्ति और राष्ट्र प्रथम की भावना के बल पर भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेगा और दुनिया में नई ऊंचाइयों को छुएगा। ■

मुख्य बिंदु

- **140 करोड़ भारतीयों का भरोसा हमारी सबसे बड़ी ताकत और जिम्मेदारी है**
- **युवाओं, महिलाओं, किसानों और मध्यम वर्ग की उम्मीदें देश के विकास को आगे बढ़ा रही हैं**

जन-केंद्रित विकास, सहभागी लोकतंत्र और प्रदर्शन-उन्मुख शासन

श्री नरेन्द्र मोदी लगातार कार्यकाल में भारत के सबसे लंबे समय तक सेवारत लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री बने

हम, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), भारत की जनता के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को लगातार कार्यकाल में भारत के सबसे लंबे समय तक लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर बधाई देते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने 10 जून, 2026 को अपने कार्यकाल के 4,399 दिन पूरे करते हुए 62 वर्षों से चले आ रहे एक महत्वपूर्ण पड़ाव को पार कर लिया है। इस बीच भारत में 13 नेता प्रधानमंत्री बने। इस महत्वपूर्ण पड़ाव से प्रधानमंत्री मोदी की असाधारण उपलब्धि का पता चलता है। उन्होंने बार-बार जनता का विश्वास जीता है क्योंकि उनका नेतृत्व प्रत्येक भारतीय की आकांक्षाओं को पूरा करने की गहरी प्रतिबद्धता पर आधारित है। उनका नेतृत्व कार्य निष्पादन, उत्तरदायित्व और सत्यनिष्ठा का आदर्श उदाहरण है।

हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब केंद्र में एनडीए सरकार ने जनता की सेवा के 12 वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्ष की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता जन-केंद्रित विकास, सहभागी लोकतंत्र और प्रदर्शन-उन्मुख शासन का सहज एकीकरण रहा है। उनका शासन मॉडल नागरिकों के प्रति उत्तरदायी है, अपने दृष्टिकोण में नवोन्मेषी है और अपने प्रभाव में परिवर्तनकारी है, जो 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' की सच्ची भावना को दर्शाता है।

श्री नरेन्द्र मोदी भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं जिनका जन्म स्वतंत्रता के बाद हुआ। वे स्वतंत्र भारत की आकांक्षाओं से प्रेरित लोगों के दृष्टिकोण को राष्ट्रीय नेतृत्व में लेकर आए हैं। वे लगातार दो कार्यकाल पूर्ण करने वाले पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री भी हैं। उन्होंने जनता से लगातार तीसरी बार जनादेश प्राप्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी अथक निष्ठा, परिवर्तनकारी दृष्टिकोण और आकांक्षाओं को साकार रूप देने की क्षमता के माध्यम से भारत की जनता के साथ अनूठा संबंध स्थापित किया है।

महान नेतृत्व प्रायः अनिश्चितता और चुनौतियों के दौर में ही पनपता है। ऐसे क्षणों में दूरदर्शिता, दृढ़ संकल्प और सामूहिक विश्वास जगाने की क्षमता का सबसे अधिक महत्व होता है। इतिहास के अमर नेता वे होते हैं जो अपने समय की कठिनाइयों का सामना करते हैं और उन्हें राष्ट्रीय पुनरुत्थान के अवसरों में बदल देते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जब मई, 2014 में पदभार संभाला, तो उन्हें ऐसी अर्थव्यवस्था और शासन व्यवस्था विरासत में मिली जो गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही थी। वर्षों की अनिश्चितता और अस्थिरता के कारण सार्वजनिक संस्थानों में विश्वास कमज़ोर हो चुका था। विश्व भारत के पतन की भविष्यवाणी कर रहा था और हमारे देश को 'कमज़ोर पांच' अर्थव्यवस्थाओं में शामिल कर रहा था। नीतिगत गतिरोध व्यापक रूप ले चुका था। बैंकिंग क्षेत्र गहरे संकट में था, ग़ैर-निष्पादित परिसंपत्तियां चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई थीं और निवेश गतिविधि में काफी कमी आ गई थी।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। 'कमजोर पांच' देशों में गिने जाने वाले भारत ने विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभरकर सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। हाल ही में हुए 15 व्यापार समझौतों (38 देश शामिल हैं) के परिणामस्वरूप भारत में

वैश्विक विश्वास अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया है। विश्व इस बात से सहमत है कि यदि निवेश, नवाचार और दीर्घकालिक विकास की बात आती है, तो भारत ही सबसे उपयुक्त स्थान है।

प्रधानमंत्री मोदी ने साहसिक सुधारों को आगे बढ़ाने की इच्छाशक्ति दिखाई है। व्यापक सहमति से लागू किए गए माल और सेवा कर (जीएसटी) ने एकीकृत राष्ट्रीय बाजार का निर्माण किया और दीर्घकालिक राष्ट्रीय उद्देश्य को पूरा किया। ऐतिहासिक श्रम सुधारों ने पुराने ढांचों को अधिक सरल और आधुनिक बनाया। हजारों अप्रचलित कानूनों को निरस्त कर दिया गया, जिससे नियामक बोझ कम हुआ और 'जीवन की सुगमता' और 'व्यापार करने की सुगमता' में सुधार हुआ।

अनेक सुधारों के कारण भारत के बैंकिंग क्षेत्र में उल्लेखनीय बदलाव आया। फंसे ऋणों की पारदर्शी पहचान, त्वरित समाधान, बैंकों का पुनर्पूंजीकरण और प्रणालीगत सुधारों ने वित्तीय अनुशासन को मजबूत किया और शासन व्यवस्था में सुधार किया। ग़ैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात कई दशकों में सबसे निचले स्तर पर आ गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने साहसिक सुधारों को आगे बढ़ाने की इच्छाशक्ति दिखाई है। व्यापक सहमति से लागू किए गए माल और सेवा कर (जीएसटी) ने एकीकृत राष्ट्रीय बाजार का निर्माण किया और दीर्घकालिक राष्ट्रीय उद्देश्य को पूरा किया। ऐतिहासिक श्रम सुधारों ने पुराने ढांचों को अधिक सरल और आधुनिक बनाया। हजारों अप्रचलित कानूनों को निरस्त कर दिया गया, जिससे नियामक बोझ कम हुआ और 'जीवन की सुगमता' और 'व्यापार करने की सुगमता' में सुधार हुआ

परिणामस्वरूप, भारत ने फिर से सपने देखने और बड़े सपने देखने शुरू किए। उद्यमशीलता की भावना को नई ऊर्जा मिली। स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से जीवंत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र उभरा, जिसने भारत को विश्व के अग्रणी स्टार्टअप केंद्रों में शामिल कर दिया। सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, ड्रोन, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण जैसे नए क्षेत्र तेजी से विस्तार कर रहे हैं। धनसर्जकों का उदय अब कुछ ही महानगरों तक सीमित नहीं है। द्वितीय और तृतीय स्तर के शहरों के साथ-साथ ग्रामीण भारत के युवा भी नवाचार और रोजगार सर्जन की अगली लहर का नेतृत्व कर रहे हैं।

हम प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार में भारत को अग्रणी बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों को स्वीकार करते हैं। इससे सार्वजनिक सेवा वितरण में उल्लेखनीय सुधार हुआ, भ्रष्टाचार कम हुआ और पारदर्शिता आई। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था में अग्रणी बनकर उभरा है। हमारे यूपीआई सिस्टम ने डिजिटल भुगतान में क्रांति ला दी है और यह वैश्विक स्तर पर भी लोकप्रिय है।

एक और क्षेत्र जहां हमारी युवा शक्ति बड़े सपने देख रही है, वह है खेल। खेल संस्कृति को मजबूत बनाने पर प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तिगत रूप से दिए गए जोर देने के कारण युवाओं को सही अवसर और समर्थन मिल रहा है। परिणामस्वरूप, वैश्विक खेल मंचों पर भारत की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। समृद्ध खेल अर्थव्यवस्था उभर रही है, जो कोचिंग, खेल विज्ञान, विनिर्माण, इवेंट मैनेजमेंट और संबद्ध क्षेत्रों में अवसर उत्पन्न कर रही है।

भारत ने पिछले 12 वर्ष में अपने इतिहास में सबसे महत्वाकांक्षी अवसंरचना परिवर्तनों में से एक को देखा है। इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण रेलवे का परिवर्तन है, जो भारत की जीवनरेखा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास आधुनिक, सुलभ और यात्री-अनुकूल स्टेशन बना रहा है। रिकॉर्ड विद्युतीकरण ने रेलवे नेटवर्क को स्वच्छ, तेज और अधिक कुशल बना दिया है। वंदे भारत और अमृत भारत जैसी नई पीढ़ी की रेलगाड़ियां गति, आराम और स्वदेशी नवाचार के संगम से आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी भारत का प्रतीक हैं।

दशकों तक हवाई यात्रा केवल कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों तक ही सीमित थी। उड़ान जैसी योजनाओं और हवाईअड्डों के बुनियादी ढांचे में निरंतर निवेश के कारण अब करोड़ों यात्री हवाई यात्रा कर सकते हैं। परिचालित हवाईअड्डों की संख्या में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई है, जिससे क्षेत्रीय संपर्क में सुधार हुआ है।

बुनियादी ढांचे में हुई क्रांति ने दैनिक यात्रा अनुभव में भी क्रांति ला दी है। पूरे देश में आधुनिक बस टर्मिनल और बहुस्तरीय परिवहन केंद्र विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें वे सुविधाएं और मानक मौजूद हैं जो कभी केवल हवाई अड्डों से जुड़े होते थे।

भारत का बुनियादी ढांचा विकास पहले अलगाव और देरी से ग्रस्त

था। इस संस्कृति से जनता के असंतोष को समझते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने आगे बढ़कर ठोस बदलाव किए। प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान 'प्रगति' ने एकीकृत बुनियादी ढांचा नियोजन के लिए नया दृष्टिकोण पेश किया। प्रगति ने कुछ महीने पहले 50 सत्र पूरे कर लिए हैं। इसने विलंबित परियोजनाओं को गति देने में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। प्रगति प्रणाली के माध्यम से लगभग 90 लाख करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं को गति दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रमुख विशेषताओं में से एक यह दृढ़ विश्वास है कि विकास के लाभ कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास के लिए मूलभूत आवश्यकता हैं। बैंकिंग सुविधाओं से वंचित लोगों को बैंकिंग सुविधा प्रदान करने, वित्तीय सहायता से वंचित लोगों को वित्त पोषित करने, बीमा से वंचित लोगों को बीमा प्रदान करने, बेघरों को आवास उपलब्ध कराने, बैंकिंग सुविधाओं से वंचित लोगों को जोड़ने, पहुंच से बाहर लोगों तक पहुंचने, वंचितों को सशक्त बनाने और हाशिए पर मौजूद लोगों को मुख्यधारा में लाने पर जोर दिया गया है।

भारत की नारी शक्ति ने प्रधानमंत्री मोदी को महिला-प्रधान विकास पर जोर के कारण निरंतर आशीर्वाद दिया है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ आंदोलन ने बालिका के महत्व को राष्ट्रीय स्तर पर उजागर किया। स्वयं सहायता समूहों को दिए गए समर्थन से करोड़ों महिलाएं धन सर्जक बन सकीं। ड्रोन दीदी जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को अत्याधुनिक तकनीक और आजीविका के अवसर मिल रहे हैं

शासन की सफलता का सबसे स्पष्ट मापदंड गरीब से ग़रीब लोगों के जीवन पर उसका प्रभाव है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 25 करोड़ से अधिक भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं, जिससे स्वतंत्र भारत में अभूतपूर्व पैमाने पर जीवन परिवर्तन हुआ है और अंत्योदय के प्रति एनडीए की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई है।

भारत की नारी शक्ति ने प्रधानमंत्री मोदी को महिला-प्रधान विकास पर जोर के कारण निरंतर आशीर्वाद दिया है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ आंदोलन ने बालिका के महत्व को राष्ट्रीय स्तर पर उजागर किया। स्वयं सहायता समूहों को दिए गए समर्थन से करोड़ों महिलाएं धन सर्जक बन सकीं। ड्रोन दीदी जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को अत्याधुनिक तकनीक और आजीविका के अवसर मिल रहे हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पारित होना विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम था।

हम प्रधानमंत्री मोदी को भारतीय इतिहास की सबसे किसान-हितैषी सरकार का नेतृत्व करने के लिए बधाई देते हैं। पीएम-किसान पहल ने किसानों को प्रत्यक्ष आय सहायता प्रदान की। फसल बीमा कवरेज का विस्तार हुआ। सरकार ने कृषि अवसंरचना को मजबूत किया और बाजार पहुंच में सुधार किया, प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया और सिंचाई एवं ग्रामीण विकास में निवेश किया। मत्स्य पालन, दुग्ध उत्पादन, मधुमक्खी पालन जैसे संबद्ध क्षेत्रों को आवश्यक सहायता प्रदान की गई है। एनडीए सरकार द्वारा गठित दो नए मंत्रालय, मत्स्य पालन और सहकारिता, सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाते हैं।

हम, एनडीए परिवार, केंद्र सरकार द्वारा अंतिम छोर तक पहुंचने और यह सुनिश्चित करने पर दिए गए जोर की सराहना करते हैं कि विकास के लाभ भौगोलिक या सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना प्रत्येक नागरिक तक पहुंचें। यह प्रतिबद्धता विशेष रूप से प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) में दिखाई देती है, जो अपनी तरह की प्रथम पहल है और देश के कुछ सबसे दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) को सशक्त बनाती है। आवासन, सड़कें, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, पेयजल और आजीविका के अवसर इन समुदायों को विकास की मुख्यधारा में लाने में मदद कर रहे हैं।

सीमावर्ती गांवों को कभी देश के 'अंतिम गांव' कहा जाता था, उन्हें आज प्रधानमंत्री मोदी की बदौलत भारत के 'प्रारंभिक गांव' के रूप में गर्व से जाना जाता है। यह सिर्फ शब्दावली में बदलाव नहीं, बल्कि सोच में बदलाव है, जहां सीमावर्ती समुदायों को भारत की सुरक्षा और पहचान के पहले संरक्षक के रूप में मान्यता दी जाती है। कनेक्टिविटी और सार्वजनिक सेवाओं में किए गए महत्वपूर्ण निवेशों ने इन क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है।

प्रौद्योगिकी के इस युग में समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए मोबाइल कनेक्टिविटी आवश्यक है। लेकिन लंबे समय तक भारत के कई हिस्से इससे वंचित रहे। हमें यह देखकर अत्यंत

प्रसन्नता हो रही है कि दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों, अत्यधिक ऊंचाई वाली सीमावर्ती बस्तियों, माओवाद प्रभावित क्षेत्रों और सुदूर तटीय क्षेत्रों जैसे पहले से वंचित क्षेत्रों में मोबाइल और डिजिटल कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार हुआ है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, वित्तीय सेवाओं, शासन और आर्थिक अवसरों जैसी सुविधाओं तक पहुंच आसान हो गई है।

नेतृत्व के मूलभूत सिद्धांतों में से एक यह मान्यता है कि कोई भी राष्ट्र अपनी पूर्ण क्षमता का अहसास तभी कर सकता है जब उसका प्रत्येक भाग, प्रत्येक क्षेत्र उसके विकास में भागीदार हो। संतुलित और समावेशी विकास की प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता ने उन क्षेत्रों की क्षमता को उजागर किया है जो दशकों से उपेक्षित रहे थे। पूर्वी भारत की अपार क्षमता, अपने समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों, सांस्कृतिक विरासत और मानव पूंजी के बावजूद लंबे समय तक अप्रयुक्त रही। एनडीए सरकार के तहत पूरे क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, संपर्क, उद्योग, कृषि और सामाजिक विकास को मजबूत करने पर नए सिरे से जोर दिया गया है। यह परिवर्तन पूर्वोत्तर में भी समान रूप से दिखाई देता है। कभी दूरी और उपेक्षा के नजरिए से देखा जाने वाला यह क्षेत्र अब भारत की विकास यात्रा की 'अष्टलक्ष्मी' के रूप में उभरा है। अब हमारा पूर्वोत्तर राष्ट्रीय मुख्यधारा के पहले से कहीं अधिक करीब है।

प्रधानमंत्री मोदी का सूक्ष्म दृष्टिकोण दो अनूठे कार्यक्रमों में देखा जा सकता है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम उन जिलों पर ध्यान केंद्रित करता है जो ऐतिहासिक रूप से प्रमुख संकेतकों में पिछड़े रहे हैं। इसकी सफलता को आगे बढ़ाते हुए आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम अब ब्लॉकों पर ध्यान केंद्रित करके इस दृष्टिकोण को और अधिक सूक्ष्म स्तर पर ले जा रहा है।

विकास तभी फल-फूल सकता है और राष्ट्रीय आकांक्षाएं तभी साकार हो सकती हैं जब राष्ट्र अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम हो। पिछले 12 वर्षों में भारत ने आतंकवाद से निपटने में अभूतपूर्व दृढ़ संकल्प दिखाया है। चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो, हवाई हमले हों या हालिया ऑपरेशन सिंदूर, भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद और उसका समर्थन करने वालों को करारा जवाब दिया जाएगा। दशकों से चली आ रही वामपंथी उग्रवाद की चुनौती को सुरक्षा उपायों, विकास कार्यक्रमों और बेहतर शासन व्यवस्था के संयोजन से समाप्त कर दिया गया है। साथ ही, एनडीए सरकार ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया है। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के तहत भारत ने स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को काफी हद तक विस्तारित किया है, घरेलू क्षमताओं को मजबूत किया है और रणनीतिक क्षेत्रों में नवाचार को प्रोत्साहित किया है।

दशकों तक 'वन रैंक वन पेंशन' का मुद्दा उपेक्षित रहा। जिन लोगों ने सबसे पहले इसे बंद किया था, वही बाद में इसे वापस लाने की मांग पर निष्क्रिय बैठे रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे वीर पूर्व सैनिकों से ओआरपी लागू करने का वादा किया और इसे रिकॉर्ड समय में पूरा किया। इससे लाखों पूर्व सैनिकों को सकारात्मक लाभ मिला है। पहले हम 'रक्षा सुधार' की बात तो सुनते रहते थे, लेकिन जमीनी स्तर पर कार्रवाई सीमित थी। सरकार के सबसे बड़े सुधारों में से एक, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) का पद सर्जित करना, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा संरचना को मजबूत करना है। इन उपायों से सशस्त्र बलों के बीच बेहतर समन्वय, दीर्घकालिक योजना और संयुक्त कार्य को बढ़ावा मिला है।

हम, एनडीए परिवार, इस बात पर गर्व महसूस करते हैं कि भारत आज वैश्विक मंच पर पहले से कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है। 32 देशों ने प्रधानमंत्री मोदी को सर्वोच्च सम्मानों से नवाजा है, जो उनके नेतृत्व और प्रभाव की वैश्विक मान्यता को दर्शाता है। आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज सम्मानपूर्वक सुनी जाती है। जलवायु परिवर्तन, वैश्विक स्वास्थ्य, आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों को सुलझाने में भारत रचनात्मक और प्रभावशाली शक्ति के रूप में उभरा है। जब मानवता ने कोविड-19 जैसी सदी में कभी कभार आने वाली महामारी का सामना किया, तब भारत ने दुनिया को टीके और दवाएं उपलब्ध कराकर वैश्विक नेतृत्व का परिचय दिया।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति ने कई मायनों में अपनी छाप

हम, एनडीए परिवार, इस बात पर गर्व महसूस करते हैं कि भारत आज वैश्विक मंच पर पहले से कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है। 32 देशों ने प्रधानमंत्री मोदी को सर्वोच्च सम्मानों से नवाजा है, जो उनके नेतृत्व और प्रभाव की वैश्विक मान्यता को दर्शाता है। आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज सम्मानपूर्वक सुनी जाती है। जलवायु परिवर्तन, वैश्विक स्वास्थ्य, आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों को सुलझाने में भारत रचनात्मक और प्रभावशाली शक्ति के रूप में उभरा है

छोड़ी है। संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश में, जहां प्रवासी भारतीयों की एक बड़ी आबादी रहती है, वहां अधिकतम संपर्क होना चाहिए था। हालांकि, जब प्रधानमंत्री मोदी 2015 में संयुक्त अरब अमीरात गए, तो यह लगभग 35 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी। इसी तरह, जब प्रधानमंत्री मोदी 2014 में नेपाल गए थे, तो यह 17 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी, जो लंबे समय से चले आ रहे सभ्यतागत संबंधों को देखते हुए आश्चर्यजनक थी। ऐसे कई उदाहरण हैं।

आज, भारत आत्मविश्वास और सभ्यतागत पहचान की एक मजबूत भावना के साथ दुनिया के साथ जुड़ा हुआ है। 170 देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को अपनाना भारत के शाश्वत ज्ञान और आधुनिक दुनिया के लिए इसकी प्रासंगिकता की मान्यता के रूप में खड़ा है। चोरी की गई सैकड़ों कलाकृतियां और प्राचीन वस्तुएं देश में वापस लाई गई हैं, जिससे भारत अपनी सभ्यतागत विरासत के महत्वपूर्ण अध्यायों के साथ फिर से जुड़ गया है। मोटे अनाज या श्री अन्न को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने के भारत के सफल प्रयासों ने सतत कृषि और पोषण सुरक्षा पर नए सिरे से ध्यान आकर्षित किया है।

चूंकि एनडीए सुशासन के 12 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहा है, हम गठबंधन की उल्लेखनीय यात्रा पर भी विचार कर रहे हैं

लगभग तीन दशक पहले अटल बिहारी वाजपेयी जी, एलके आडवाणी जी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी, जॉर्ज फर्नांडीस जी, बालासाहेब ठाकरे जी, सरदार प्रकाश सिंह बादल जी, सिकंदर बख्त जी और कई अन्य प्रमुख नेताओं के मार्गदर्शन में 'भारत प्रथम' के साझा मंत्र के तहत विभिन्न दलों और लोगों को एक साथ लाने के लिए एनडीए का गठन किया गया था।

एनडीए ने क्षेत्रीय आकांक्षाओं का राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ सहजता से सामंजस्य स्थापित किया है और सहकारी संघवाद की भावना को संस्थागत रूप दिया है। राज्य विकास में भागीदार बने। परामर्श, सहयोग और साझा जिम्मेदारी के माध्यम से केंद्र और राज्यों के बीच संबंधों को फिर से परिभाषित किया गया। कई वर्षों तक गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी हमारी राजनीति के इस पहलू के महत्व को पूरी तरह से समझते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, एनडीए का काफी विस्तार हुआ है। आज, एन.डी.ए.:

- शासन वाले राज्य मिलकर भारत की तीन-चौथाई से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- भारत के लगभग तीन-चौथाई भूभाग में इसकी सरकारें हैं।
- अनुसूचित जाति की सबसे अधिक जनसंख्या वाले शीर्ष 10 राज्यों में से 7 राज्यों में इसकी सरकारें हैं।
- जिन 10 राज्यों में अनुसूचित जनजाति की आबादी सबसे अधिक है, उनमें से 8 राज्यों में सरकारें हैं।
- 2014 से एनडीए का विस्तार पार्टियों और भौगोलिक दृष्टि से दोनों ही मामलों में हुआ है।
- 2014 के बाद से एनडीए ने हरियाणा, त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में पहली बार सरकारें बनाई हैं।
- एनडीए ने आंध्र प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में ऐतिहासिक जनादेश हासिल किया, जहां सम्मानित गठबंधन सहयोगी सरकार के अभिन्न अंग हैं।
- गुजरात में भाजपा 1995 से हर चुनाव जीतती आ रही है।
- उत्तर प्रदेश में भाजपा ने चार दशकों से अधिक समय में सत्ता में वापसी करने वाली पहली पार्टी बनकर इतिहास रच दिया।
- एनडीए पूर्वोत्तर के लगभग सभी राज्यों में सत्ता में है, जिनमें से कई राज्यों में जनजातीय और ईसाई आबादी की संख्या अधिक है।
- भारतीय राजनीति में अक्सर सत्ता-विरोधी लहर जैसी घटना देखने को मिलती है, जहां मौजूदा सरकारों को खराब प्रदर्शन के कारण हार का सामना करना पड़ा। हमें यह देखकर खुशी हो रही है कि एनडीए ने सत्ता समर्थक सरकार के युग की शुरुआत की है।
- 60 से अधिक वर्षों के बाद 2024 में ही राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटा। यह युवाओं और महिलाओं के रिकॉर्ड समर्थन के कारण संभव हुआ है, जिन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को मजबूत स्वीकृति दी है।
- आज भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। दुनिया भारत में निवेश करना चाहती है और हमारे युवाओं से जुड़ना चाहती है। विभिन्न क्षेत्रों में हमारी प्रगति सराहनीय है। 2047 तक विकसित भारत का हमारा सामूहिक दृष्टिकोण भविष्य के लिए स्पष्ट दिशा प्रदान करता है। पिछले 12 वर्ष की उपलब्धियां मजबूत नींव का निर्माण करती हैं, जिस पर और भी अधिक मजबूत, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण किया जा सकता है।
- राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन भारत की जनता के निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और जनसेवा के प्रति अथक समर्पण के लिए उन्हें बधाई देता है। साथ ही, यह एनडीए के प्रत्येक घटक दल, प्रत्येक निर्वाचित प्रतिनिधि और प्रत्येक कार्यकर्ता के अमूल्य योगदान को भी स्वीकार करता है, जिन्होंने इस दृष्टिकोण को साकार करने में योगदान दिया।
- नवनिर्मित प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास के साथ, एनडीए 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में काम करना जारी रखने का संकल्प लेता है। ■

मंत्रिमंडल ने प्रस्ताव पारित कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बने रहने के लिए दी बधाई

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज एक प्रस्ताव पारित कर 10 जून, 2026 को भारतीय लोकतंत्र की यात्रा में एक ऐतिहासिक क्षण बताया और श्री नरेन्द्र मोदी को देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में 4,399 दिनों की निरंतर सेवा का रिकॉर्ड बनाकर श्री मोदी श्री जवाहरलाल नेहरू के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। श्री नेहरू ने 1952 से 1964 तक 4,398 दिनों तक निरंतर सेवा की थी। प्रस्ताव में कहा गया है कि यह अवसर भारत की लोकतांत्रिक चेतना, जनविश्वास और जनभागीदारी की शक्ति का प्रतीक है, जो 'राष्ट्र सर्वोपरि' संकल्प से प्रेरित नेता को जनता द्वारा दिए गए अभूतपूर्व समर्थन को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए प्रस्ताव में कहा गया है कि यह उपलब्धि एनडीए सरकार के उनके नेतृत्व में 12 वर्ष पूरे होने के साथ ही अर्जित हुई है। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि सरकार प्रमुख के रूप में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लगातार 25 वर्षों की सेवा के ऐतिहासिक पड़ाव के निकट पहुंच रहे हैं। संवेदनशीलता, संयम, दृढ़ संकल्प और निर्णायकता से परिपूर्ण नेतृत्व पर गर्व व्यक्त करते हुए आधिकारिक प्रस्ताव में इस बात पर बल दिया गया है कि छह दशकों के बाद देश ने एनडीए सरकार को लगातार तीसरी बार जनादेश दिया है।

प्रधानमंत्री के जीवन को सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति निरंतर समर्पण के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करते हुए यह प्रस्ताव उनके 2014 के उस घोषणापत्र का उल्लेख करता है जिसमें उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के प्रति प्रतिबद्ध 'प्रधान सेवक' घोषित किया था। इसकी सराहना करते हुए कि गरीबों का कल्याण शासन के केंद्र में रखा गया है, यह दस्तावेज़ अभूतपूर्व स्तर पर प्रदान की गई सुविधाओं का विवरण देता है, जिनमें पक्के मकान, बिजली, स्वच्छ जल और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, साथ ही 80 करोड़ से अधिक नागरिकों के लिए निःशुल्क राशन और 60 करोड़ से अधिक निर्धनों के लिए निःशुल्क चिकित्सा उपचार शामिल हैं। प्रस्ताव में यह दर्ज है कि इन सामूहिक प्रयासों ने राष्ट्रीय आत्मविश्वास बढ़ाया और 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से मुक्ति दिलाने में सक्षम बनाया।

प्रस्ताव में प्रमुख जनसांख्यिकीय समूहों के सशक्तीकरण का विस्तृत विवरण दिया गया है। इसमें युवा शक्ति पर केंद्रित प्रयासों को स्वीकृति दी गई है, जिन्होंने भारत को विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम और चंद्रयान मिशन के माध्यम से एक वैज्ञानिक शक्ति बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। धुआं मुक्त रसोई और लखपति दीदी अभियान से लेकर विधायी निकायों में महिलाओं के लिए ऐतिहासिक 33 प्रतिशत आरक्षण जैसी व्यापक नीतियों के माध्यम से 'महिला नेतृत्व वाले विकास' के एक नए अध्याय का विस्तृत वर्णन किया गया है। किसानों को 'विकसित भारत' का मूल स्तंभ मानते हुए प्रस्ताव में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और पशुपालकों एवं मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने जैसी पहलों की सराहना की गई है, जिन्होंने कृषि निर्यात को 5 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

दशकों से लंबित सुधारों को लागू करने में दिखाई गई निर्णायक 'राष्ट्र प्रथम' भावना की प्रशंसा करते हुए प्रस्ताव में अनुच्छेद 370 को निरस्त करना, जीएसटी और ओआरओपी का कार्यान्वयन, सीएए कानून, भारतीय न्याय संहिता और श्रम संहिताओं का समेकन जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धियों की सराहना की गई है। दस्तावेज़ में राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया गया है, जिसका प्रमाण सर्जिकल और सीमा पार हवाई हमले, 'ऑपरेशन सिंदूर' और अन्यायपूर्ण सिंधु जल संधि का निलंबन, आतंकवाद के विरुद्ध की गई कड़ी कार्रवाई है। नक्सलवाद के उन्मूलन, पूर्वोत्तर में स्थायी शांति समझौतों पर हस्ताक्षर और बांग्लादेश के साथ सीमा विवाद के समाधान में भी सराहनीय प्रगति दर्ज की गई है।

इस प्रस्ताव में रक्षा से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक के क्षेत्रों में भारत की विनिर्माण क्षमताओं की उन्नति का श्रेय 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों से मिली गति को दिया गया है। साथ ही, इसमें जी-20 की सफल अध्यक्षता, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन तथा मिशन लाइफ जैसी पहलों के माध्यम से भारत की मजबूत वैश्विक भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। विकास और विरासत को एक साथ जोड़ते हुए यह प्रस्ताव नए संसद भवन और कर्तव्य पथ द्वारा प्रतीक सांस्कृतिक पुनर्जागरण को दर्शाता

है, जो जनभागीदारी की भावना से प्रेरित है और जिसने कोरोना महामारी जैसे वैश्विक संकटों का सफलतापूर्वक सामना किया है।

इस बात को रेखांकित करते हुए कि पिछले 12 वर्षों की राजनीतिक स्थिरता, गतिशील शासन और दूरदर्शी नीतियों ने भारत को विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था में बदल दिया है, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अपनी गहरी कृतज्ञता और भविष्य के संकल्प को व्यक्त करने के लिए निम्नलिखित प्रस्तावों को आधिकारिक तौर पर अपनायाः

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अपनाए गए औपचारिक प्रस्ताव

- इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी गईं।
- गरीबों के कल्याण और वंचित वर्गों के सशक्तीकरण के लिए उनके नेतृत्व में किए गए कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया गया।
- प्रधानमंत्री की उन नीतियों की सराहना की गई जिनके कारण भारत में 25 करोड़ से अधिक गरीब उनके नेतृत्व में निर्धनता को हराने में सक्षम हुए।
- राष्ट्र की सेवा के प्रति उनके अद्वितीय समर्पण और अथक परिश्रम के लिए आभार व्यक्त किया गया।
- समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में उनके प्रयासों की सराहना की गई।
- राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने और भारत के हितों की रक्षा करने में उनके नेतृत्व की प्रशंसा की गई।
- 'विकसित भारत' के निर्माण में उनके दूरदर्शी संकल्प और नेतृत्व के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त किया गया।
- स्वीकृत प्रस्तावों में प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की गई। इसमें दृढ़ विश्वास व्यक्त किया गया कि श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर, सुरक्षित, समृद्ध और गौरवशाली राष्ट्र के रूप में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करना जारी रखेगा और 2047 तक 'विकसित राष्ट्र' बनने की दिशा में मजबूत मार्ग प्रशस्त करेगा। ■

विश्व भर के अनेक राष्ट्राध्यक्षों ने दिए बधाई संदेश

जॉर्जिया मेलोनी (इटली की प्रधानमंत्री)

"नरेन्द्र मोदी को बधाई, जो आज भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। हाल के हफ्तों में रोम में दोबारा मिलकर और एक विशेष रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत करके हमें बेहद खुशी हुई है, जो हमारे राष्ट्रों और हमारे लोगों के लिए नए अवसर पैदा करने के उद्देश्य से भविष्य की ओर देखती है।"

फ्रेडरिक मर्ज़ (जर्मनी के चांसलर)

"भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर नरेन्द्र मोदी को बधाई। हमारे देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने और अगली अंतर-सरकारी बातचीत के लिए जर्मनी में आपका स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं।"

मेटे फ्रेडरिकसेन (डेनमार्क की प्रधानमंत्री)

"भारत के लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री के तौर पर सबसे लंबे समय तक बिना किसी रुकावट के सेवा करने की उपलब्धि पर नरेन्द्र मोदी को बधाई। मैं आपके साथ मिलकर काम जारी रखने और हमारी साझेदारी को और मजबूत करने तथा नए क्षेत्रों में इसका विस्तार करने के लिए उत्सुक हूं।"

किरियाकोस मित्सोताकिस (ग्रीस के प्रधानमंत्री)

"भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री बनने पर नरेन्द्र मोदी को बधाई। मैं हमारी रणनीतिक साझेदारी और सहयोग को और गहरा करने के लिए उत्सुक हूं। साथ मिलकर, ग्रीस और भारत अपने लोगों के फायदे के लिए यूरोप और एशिया के बीच संबंध बनाना जारी रखेंगे।"

सनाए तकाइची (जापान की प्रधानमंत्री)

"मई, 2014 में भारत के प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद से श्री मोदी ने जापान-भारत संबंधों को उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ाने में अमूल्य योगदान दिया है।"

बेंजामिन नेतन्याहू (इज़राइल के प्रधानमंत्री)

"भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर बधाई (Mazel Tov), मेरे प्रिय मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।"

अनुरा कुमारा दिसानायके (श्रीलंका के राष्ट्रपति)

"मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर हार्दिक बधाई देता हूं। श्रीलंका दोनों देशों के बीच हमारी घनिष्ठ साझेदारी को महत्व देता है और हमारे स्थायी संबंधों को और मजबूत करने के लिए तत्पर है।"

ली जे-म्योंग (दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने भारत के विकास और प्रगति में प्रधानमंत्री श्री मोदी की भूमिका को स्वीकार किया और कोरिया-भारत विशेष रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने में विश्वास व्यक्त किया।

भाजपा निरंतर संगठन विस्तार, कार्यकर्ता सशक्तीकरण और जनसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है : नितिन नवीन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने अपने उत्तराखंड प्रवास के दौरान देहरादून में कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठकों में भाग लिया तथा भाजपा नेताओं के साथ संवाद स्थापित कर संगठनात्मक गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर गहन चर्चा की। इस दौरान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री बी. एल. संतोष, उत्तराखंड के प्रभारी श्री दुष्यंत गौतम और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट सहित अन्य नेतागण भी उपस्थित रहे।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने अपने उत्तराखंड प्रवास के दूसरे दिन 29 मई, 2026 को देहरादून के राजपुर रोड स्थित होटल वेलकम मधुबन में भाजपा सांसदों एवं विधायकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश पदाधिकारियों, प्रदेश मोर्चा अध्यक्षों एवं महामंत्रियों, जिला प्रभारियों, सह-प्रभारियों तथा जिला अध्यक्षों के साथ बैठक की अध्यक्षता भी की। इसके पश्चात् श्री नवीन ने महापौरों, नगर परिषद् एवं पंचायत अध्यक्षों, जिला पंचायत अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों तथा ब्लॉक प्रमुखों के साथ बैठक की और देहरादून में मीडिया को संबोधित किया।

श्री नवीन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी निरंतर संगठन विस्तार, कार्यकर्ता सशक्तीकरण और जनसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। उत्तराखंड में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा केंद्र की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली 'डबल इंजन' भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सभी पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। भाजपा का संगठनात्मक ढांचा ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है और कार्यकर्ताओं के निरंतर परिश्रम से पार्टी नए आयाम स्थापित कर रही है। आगामी समय में उत्तराखंड में संगठन और अधिक सशक्त होकर जनता के विश्वास को और मजबूत करेगा।

स्व. भुवन चंद्र खंडूरी को श्रद्धांजलि

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने 29 मई, 2026 को उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय भुवन चंद्र खंडूरी के आवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्री नवीन ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा दिवंगत नेता के योगदान और सार्वजनिक जीवन में उनके लंबे राजनीतिक सफर को स्मरण किया।

युवा संवाद कार्यक्रम

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने 30 मई, 2026 को देहरादून में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। श्री नितिन नवीन ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्य शक्ति बताते हुए खेल, स्वच्छता, नशामुक्ति, राजनीति, स्टार्टअप और राष्ट्रीय विकास जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। श्री नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खेलों को बढ़ावा मिला है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। स्वच्छ भारत मिशन, 12 करोड़ शौचालय निर्माण, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं ने युवाओं में आत्मविश्वास जगाया है। श्री नवीन ने नशे के खिलाफ सामाजिक जागरूकता, महिलाओं की सुरक्षा, राजनीति में धैर्यपूर्ण सहभागिता तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान करते हुए युवाओं से भारत के विकास में सक्रिय योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट सहित अन्य नेतागण भी उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि पिछले दिनों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने खेलो इंडिया को धरातल तक उतारा, जिससे लोगों और युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ी। यही कारण है कि पिछले वर्षों में जो अंतरराष्ट्रीय आयोजन हुए, चाहे वह ओलंपिक हो, कॉमनवेल्थ गेम्स हो, एशियन गेम्स हो, क्रिकेट हो या बैडमिंटन से लेकर लॉन टेनिस तक अन्य खेल हों, अब हमारे खिलाड़ी हर क्षेत्र में आगे आ रहे हैं। श्री नवीन ने कहा कि यदि देश में 2 लाख स्टार्टअप हैं, तो वे भारत के युवाओं के ही प्रयासों का परिणाम हैं और भारत का युवा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

बूथ समिति बैठक

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने 30 मई, 2026 को अपने उत्तराखंड प्रवास के आखिरी दिन देहरादून में स्थित गढ़ी कैंट में आयोजित बूथ समिति बैठक को संबोधित किया। श्री नवीन ने कार्यकर्ताओं से बूथ सशक्तीकरण, संगठन विस्तार और विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने हेतु निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उत्तराखंड भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट और उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी सहित अन्य नेतागण भी उपस्थित रहे। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का कर्नाटक प्रवास

'कांग्रेस के राजनीतिक स्वार्थों के कारण राज्य में जनकल्याण की घोर उपेक्षा हुई है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने 24 मई, 2026 को अपने बेंगलुरु (कर्नाटक) प्रवास के दौरान कई अहम सांगठनिक बैठकों में हिस्सा लिया और वरिष्ठ पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ सघन संवाद किया। उन्होंने कर्नाटक भाजपा कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और आगामी पार्टी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की। इसके साथ ही, श्री नवीन ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सत्ताधारी दल की आंतरिक कलह और राजनीतिक स्वार्थों के कारण राज्य में जनकल्याण की घोर उपेक्षा हुई है, जो जनता के स्पष्ट जनादेश के साथ सीधा विश्वासघात है।

अपने प्रवास के दौरान श्री नितिन नवीन ने पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बी. एस. येदियुरप्पा से नाश्ते पर आत्मीय भेंट की। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में उनके 50 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने तथा जनसेवा के प्रति उनके अटूट समर्पण के लिए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। श्री नवीन ने कहा कि येदियुरप्पा जी ने कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी के विस्तार और संगठन को मजबूत करने में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राष्ट्रवादी विचारधारा और जनसेवा के प्रति उनका यह आजीवन समर्पण कार्यकर्ताओं की अनेक पीढ़ियों के लिए एक महान प्रेरणा है। श्री नवीन ने एक विस्तृत सांगठनिक बैठक को भी संबोधित किया, जिसमें पार्टी के सांसद, विधायक, विधान पार्षद, प्रदेश पदाधिकारी, सभी मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष एवं महामंत्री, प्रदेश मीडिया, सोशल मीडिया व आईटी विभाग के संयोजक, संभाग व जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष तथा प्रदेश प्रशिक्षण टीम के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को विभिन्न स्तरों पर मजबूत करने, सभी इकाइयों के बीच समन्वय बढ़ाने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा कर्नाटक में आगामी सांगठनिक कार्यक्रमों और व्यापक जनसंपर्क अभियानों की रूपरेखा को अंतिम रूप देने पर गहन मंथन हुआ। इसके उपरांत श्री नितिन नवीन ने कर्नाटक भाजपा कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए राज्य में चल रही सांगठनिक गतिविधियों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि समूचे देश के विभिन्न जिलों में पार्टी के प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और कर्नाटक में भी भाजपा का संगठनात्मक ढांचा अपने अभियानों व गतिविधियों के माध्यम से निरंतर और सक्रिय रूप से विस्तार ले रहा है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में राज्य सरकार ने केवल जनता को धोखा दिया है और उनके जनादेश का अपमान किया है। सत्तारूढ़ दल के भीतर चल रहे वर्चस्व के आंतरिक संघर्ष के कारण जनकल्याणकारी कार्यों की अनदेखी हुई है और विकास को पूरी तरह पीछे धकेल दिया गया है। वर्तमान कर्नाटक सरकार जन-आकांक्षाओं से पूरी तरह कट चुकी है और सरकार चला रहे नेता जनसेवा के बजाय केवल अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक हितों को साधने के लिए सत्ता का दुरुपयोग कर रहे हैं। अंत में, श्री नितिन नवीन ने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे संगठन को हर बूथ पर और अधिक सशक्त बनाएं तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'विकसित भारत' के निर्माण के संकल्प को पूर्ण समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर उतारें। ■

मुख्य बिंदु

- **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा का हर कार्यकर्ता 'नेशन फर्स्ट' की भावना और 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ निरंतर जनसेवा में जुटा है**
- **कर्नाटक की सत्तालोलुप कांग्रेस सरकार ने विगत वर्षों में विकास कार्यों को पूरी तरह ठप्प कर प्रदेश की महान जनता के जनादेश के साथ खुला विश्वासघात किया है**
- **भाजपा 'बूथ सशक्तीकरण' और निरंतर प्रशिक्षण अभियानों के माध्यम से नई ऊर्जा व बेहतर समन्वय के साथ कर्नाटक में अपने सांगठनिक ढांचे को ऐतिहासिक गति दे रही है**

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का झारखंड प्रवास

'केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने 6 जून, 2026 को अपने झारखंड प्रवास के पहले दिन रांची में आयोजित 'बुद्धिजीवी बैठक' को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार किसानों के कल्याण, कृषि सुधार और उनकी आय बढ़ाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। श्री नवीन ने कहा कि ऑर्गेनिक खेती, आयुष्मान भारत, जनधन योजना, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप और मुद्रा योजना जैसी पहलें देश के गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, नक्सलवाद उन्मूलन, रेलवे और बुनियादी ढांचे के विकास, महिला सशक्तीकरण तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को सरकार की प्रमुख उपलब्धियां बताया और युवाओं से सकारात्मक राजनीति, नवाचार और विकसित भारत-2047 के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान झारखंड भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री दीपक साहू और झारखंड के नेता प्रतिपक्ष श्री बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय मंत्री श्री संजय सेठ एवं श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा, श्री मधु कोड़ा और श्री रघुवर दास सहित अन्य गणमान्य भी उपस्थित रहे।

श्री नवीन ने कहा कि इस देश में और इस देश की मिट्टी में यदि किसी का सबसे बड़ा योगदान है, तो वह हमारे किसान भाइयों का है। किसान खुश है, अन्नदाता खुश है, तो निश्चित रूप से घर में संपत्ति भी है और सन्मति भी है। पिछले लंबे समय में कृषि विभाग को केवल कृषि विभाग नहीं रहने दिया गया, बल्कि उसे 'कृषि एवं किसान कल्याण विभाग' बनाकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आगे बढ़ाया। प्राकृतिक कृषि और ऑर्गेनिक एग्रीकल्चर को हमारी सरकार लगातार बढ़ावा दे रही है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने देश को निराशा के माहौल से निकालकर आशा और विश्वास के वातावरण में लाने का कार्य किया है। 60 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत से जोड़ा गया है। 54 करोड़ से अधिक जनधन खाते खोले जा चुके हैं। 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स कार्यरत हैं। 3 करोड़ से अधिक महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने में सफलता प्राप्त हुई है। 10 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवार स्वयं सहायता समूहों से जुड़े हुए हैं। यद्यपि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पूर्ण लाभ अभी प्राप्त नहीं हुआ है, फिर भी सरकार का संकल्प स्पष्ट है कि देश की आधी आबादी को उसका पूरा सम्मान और अधिकार मिले। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का जो संकल्प लिया गया है, उसे आने वाले समय में अवश्य पूरा किया जाएगा। 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। 4 करोड़ गरीब परिवारों को आवास उपलब्ध कराया गया है। 10 करोड़ उज्ज्वला गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। 75 लाख लोगों को रेहड़ी-पटरी योजना से जोड़ा गया है। आज भारत विश्व में सबसे अधिक डिजिटल लेन-देन करने वाला देश बन चुका है। एक वर्ष में 314 लाख करोड़ रुपये का डिजिटल ट्रांसफर किया गया है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और जनसंघ के काल से जिन संकल्पों को लेकर कार्य किया गया, उन्हें पूरा करने का प्रयास किया गया है। लंबे समय तक लोगों द्वारा यह प्रश्न पूछा जाता था कि राम मंदिर कब बनेगा। अंततः वह समय भी आया जब तिथि निर्धारित हुई और अयोध्या में 500 वर्षों के संघर्ष के बाद भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण संभव हुआ। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि सनातन परंपराओं और भारतीय सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। श्री नवीन ने कहा कि आज हम सभी को अटल बिहारी वाजपेयी जी के सपनों का झारखंड बनाना है। ■

मुख्य बिंदु

- **भारतीय जनता पार्टी झारखंड के सर्वांगीण, सतत और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा राज्य की प्रगति, जनकल्याण और समृद्धि सुनिश्चित करने हेतु निरंतर कार्य कर रही है**
- **मोदी सरकार ने अपने राजनीतिक संकल्पों के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्यों और राष्ट्रीय विरासत को भी सुदृढ़ करने का कार्य किया है**
- **कुछ लोग युवाओं को नेगेटिव पॉलिटिक्स की ओर ले जाना चाहते हैं, लेकिन भारत का युवा केवल पॉजिटिव पॉलिटिक्स करेगा और देश को आगे लेकर जाएगा**

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का बिहार प्रवास

'कार्यकर्ता आधारित संस्कृति भाजपा की विशिष्ट पहचान'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन 23 मई, 2026 को पटना में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026' के अंतर्गत आयोजित पटना महानगर जिला प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन समारोह का उद्घाटन किया और उद्घाटन सत्र में कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

श्री नवीन ने 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान' के अंतर्गत आयोजित पटना महानगर जिला प्रशिक्षण वर्ग के दौरान एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। श्री नवीन ने कहा कि यह प्रदर्शनी संगठन को सींचने में अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले महान कार्यकर्ताओं के संघर्ष, समर्पण एवं तपस्या की गाथा दर्शाने के साथ-साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में हुए जनकल्याणकारी कार्यों, उपलब्धियों तथा बिहार में डबल इंजन सरकार द्वारा किए गए विकासात्मक प्रयासों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने वाली है।

श्री नवीन ने 'भाजपा का इतिहास, वैचारिक आधार एवं विकास यात्रा' विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की यात्रा केवल एक राजनीतिक दल के विस्तार की कहानी नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक चेतना, सेवा, संघर्ष और अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के संकल्प की ऐतिहासिक यात्रा है। भाजपा की वैचारिक नींव डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी के राष्ट्रवादी चिंतन और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के दर्शन पर आधारित है। भाजपा का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोच्च रखते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सम्मान पहुंचाना है। वर्ष 1951 में स्थापित भारतीय जनसंघ से लेकर आज विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित भाजपा तक की यात्रा संघर्ष, समर्पण और कार्यकर्ताओं की तपस्या का परिणाम है। प्रारंभिक दौर में सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद कार्यकर्ताओं ने विचारधारा से समझौता नहीं किया और संगठन को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया।

मुख्य बिंदु

- भाजपा की यात्रा केवल एक राजनीतिक दल के विस्तार की कहानी नहीं, बल्कि यह राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक चेतना, सेवा, संघर्ष और अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के संकल्प की ऐतिहासिक यात्रा है
- भाजपा का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोच्च रखते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सम्मान पहुंचाना है
- आपातकाल के दौरान भी हजारों राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं ने संघर्ष किया, जेल गए, लेकिन राष्ट्रहित और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता नहीं छोड़ी
- भाजपा में बूथ स्तर का कार्यकर्ता भी संगठन की रीढ़ माना जाता है। यही कार्यकर्ता आधारित संस्कृति भाजपा को अन्य राजनीतिक दलों से अलग पहचान देती है
- प्रशिक्षण वर्ग केवल जानकारी प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि वैचारिक मजबूती, संगठनात्मक क्षमता और राष्ट्र सेवा के संकल्प को और सशक्त बनाने का अवसर है

श्री नवीन ने आपातकाल के दौर का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए हजारों राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं ने संघर्ष किया, जेल गए, लेकिन राष्ट्रहित और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता नहीं छोड़ी। भाजपा की राजनीति सदैव सिद्धांत आधारित रही है। भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसका समर्पित कार्यकर्ता है। भाजपा में बूथ स्तर का कार्यकर्ता भी संगठन की रीढ़ माना जाता है। यही कार्यकर्ता आधारित संस्कृति भाजपा को अन्य राजनीतिक दलों से अलग पहचान देती है। आज भाजपा के नेतृत्व में भारत विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। गरीब कल्याण, महिला सशक्तीकरण, युवाओं के अवसर, आधारभूत संरचना के विकास, डिजिटल परिवर्तन तथा वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत पहचान भाजपा सरकारों की प्राथमिकता रही है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्षजी ने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि प्रशिक्षण वर्ग केवल जानकारी प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि वैचारिक मजबूती, संगठनात्मक क्षमता और राष्ट्र सेवा के संकल्प को और सशक्त बनाने का अवसर है। कार्यकर्ताओं को भाजपा के इतिहास, विचारधारा और संगठनात्मक संस्कृति को समझकर समाज के बीच ले जाना चाहिए। भाजपा की राजनीति केवल चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के निर्माण के संकल्प से जुड़ी हुई है। श्री नवीन ने कार्यकर्ताओं से संगठन को और मजबूत करने तथा राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करने का आग्रह किया और कहा कि भाजपा की यात्रा सत्ता प्राप्ति की यात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा की यात्रा है। यह संघर्ष से सफलता तक की यात्रा है। यह कार्यकर्ता आधारित संगठन की शक्ति और राष्ट्र निर्माण के संकल्प की यात्रा है। अंत में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 'भाजपा को जानें' पहल के तहत 12 देशों के प्रतिनिधियों से बातचीत की

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने 26 मई, 2026 को नई दिल्ली स्थित भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में 12 देशों के मिशन प्रमुखों के साथ सार्थक चर्चा की। यह कार्यक्रम पार्टी की लोकप्रिय पहल 'भाजपा को जानें' के तहत आयोजित किया गया था। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद श्री नितिन नवीन पहली बार इस कार्यक्रम का हिस्सा बने है।

इस चर्चा में ब्राजील, जर्मनी, इंडोनेशिया, मलेशिया, मॉरीशस, न्यूजीलैंड, सेशेल्स, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, थाईलैंड और वियतनाम के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान श्री नितिन नवीन ने विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में भाजपा की यात्रा के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने पार्टी के मूल वैचारिक सिद्धांतों, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्ममानववाद और अंत्योदय जैसे विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी ने अपने आदर्शों को जन-केंद्रित शासन, समावेशी विकास और लोकतांत्रिक भागीदारी में किस प्रकार साकार किया है।

यहां उपस्थित लोगों ने 'भाजपा को जानें' पहल की सराहना की और इसमें भाग लेने के अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। उन्होंने आगे की गतिविधियों के लिए कई उपयोगी सुझाव भी दिए।

बैठक के दौरान इस चर्चा में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे, जिनमें भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद श्री विनोद तावड़े, भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद डॉ. के. लक्ष्मण, पश्चिम दिल्ली से लोकसभा सांसद श्रीमती कमलजीत सहरावत, झांसी से लोकसभा सांसद श्री अनुराग शर्मा और भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी डॉ. विजय चौथाईवाले प्रमुख थे। ■

लेख

4,399 दिनों की एक लंबी नेतृत्व यात्रा

एम. वेंकैया नायडू
भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति

स्वतंत्र भारत ने जवाहरलाल नेहरू से लेकर नरेन्द्र दामोदरदास मोदी तक 15 प्रधानमंत्री देखे हैं। उन्होंने अलग-अलग सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक हालात में देश की सेवा की एवं अपनी पूरी क्षमता से कई तरह की चुनौतियों का सामना किया, लेकिन वर्तमान प्रधानमंत्री की कहानी एक अनोखी कहानी है।

आज, 10 जून को श्री नरेन्द्र मोदी सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं — उन्होंने नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 4,399 दिनों की यात्रा तय की है। उनके वर्तमान कार्यकाल में अभी तीन वर्ष और बाकी हैं। यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है क्योंकि आज हम जिस दौर में है उसमें जोरदार राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता, गठबंधन की राजनीति, 24 घंटे मीडिया की नजर और सोशल मीडिया का कड़ा पहरा है।

साधारण परिवार में जन्मे श्री मोदी ने गुजरात के वडनगर में चाय बेचने का काम किया और अपने पिता का हाथ बंटाया। वहां से निकलकर देश की राजधानी के साउथ ब्लॉक में प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचना एक असाधारण उपलब्धि है।

यह आत्म-साक्षात्कार की यात्रा थी — भारत, यहां के लोगों और उनकी समस्याओं को समझने, देश को 'स्वर्णिम भारत' के रूप में देखने और इस सपने को साकार करने की यात्रा थी। उनकी यह सोच मुख्य रूप से आरएसएस के साथ उनके जुड़ाव से उपजी थी। अपने जीवन का अधिकतर समय उन्होंने आरएसएस, जनसंघ और भाजपा में अलग-अलग स्तरों पर सौंपे गए विभिन्न दायित्वों को चुपचाप निभाते हुए बिताया। इस दौरान उन्होंने शानदार संगठनात्मक कौशल, विचारों की स्पष्टता, भविष्य का सपना देखने का साहस और अवश्यकता पड़ने पर दायित्व निभाने की क्षमता हासिल की।

51 वर्ष की आयु में श्री मोदी गुजरात के सबसे युवा मुख्यमंत्री बने। उन्होंने पहले दिन से ही अपनी योग्यता दिखाई और गुजरात के लोगों की उद्यमिता एवं ऊर्जा को सही दिशा दी। मुख्यमंत्री के तौर पर उनका 13 साल लंबा कार्यकाल कई मायनों में यादगार रहा। उनके कार्यकाल में जो 'गुजरात मॉडल' सामने आया, उसने देश के लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। भारत के लोग एक ऐसे नेता की तलाश में थे जो काम करके दिखाए। उन्हें मोदी के रूप में ऐसा नेता मिला।

मोदी के नेतृत्व में एनडीए ने 2014 के लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की। पहली बार भाजपा को अपने दम पर बहुमत मिला। मुझे खुशी है कि मैं भाजपा के उन वरिष्ठ नेताओं में से एक था जिन्होंने प्रधानमंत्री पद के लिए श्री मोदी का पुरजोर समर्थन किया था। श्री मोदी ने अगले दो चुनावों में भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी का मानना है कि लोगों की भागीदारी के बिना भारत का बदलाव संभव नहीं है। 12 करोड़ से अधिक घरों में शौचालय बनाकर 'स्वच्छ भारत' को एक जन-आंदोलन बनाया गया; गरीबों के लिए 4 करोड़ से अधिक घर बनाए गए; जैम के तहत 57 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए; डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों को 45 लाख करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए; धुएं वाली रसोई में काम करने वाली 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन दिए गए। यूपीआई के माध्यम से 24,000 करोड़ से अधिक डिजिटल ट्रांजेक्शन ने हमारे देश को रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट में ग्लोबल लीडर बना दिया; कोविड-19 महामारी के दौरान 80 करोड़ लोगों को भोजन की मदद मिली और यह मदद अभी भी मिल रही है। श्री मोदी की सोच है 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास'। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों का बड़े पैमाने पर विस्तार करके मानव संसाधन विकास को आगे बढ़ाया। देश भर में आईआईटी, आईआईएम और एम्स की संख्या कई गुना बढ़ गई है। 'आयुष्मान भारत' दुनिया का सबसे बड़ा सरकारी फंडिंग वाला स्वास्थ्य कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री श्री मोदी पुरानी सोच या रूढ़ियों में विश्वास नहीं रखते। तुष्टीकरण सही रास्ता नहीं है। अनुच्छेद 370 को हटाना, तीन तलाक खत्म करना, भारी विरोध के बावजूद जीएसटी सुधार लागू करना और संसद एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण इसके स्पष्ट उदाहरण हैं।

श्री मोदी ने आंतरिक और राष्ट्रीय सुरक्षा पर गहरी छाप छोड़ी है। वामपंथी उग्रवाद लगभग खत्म हो चुका है। सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर ने उन लोगों को कड़ा सबक सिखाया है, जिनकी हम पर बुरी नजर थी। हमारी विदेश नीति भी ऐसे काम कर रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने साफ कर दिया है कि यह केवल राष्ट्रीय हितों के अनुरूप होगी, न कि किसी खास देश के। अब दुनिया भर में होने वाली बातचीत में भारत की आवाज मायने रखती है।

2014 में पद संभालने के बाद मैंने कुछ महीनों तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच और उनके काम को देखा, ताकि उनके मिशन को समझ सकूं। तब मैंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि 'MODI' का मतलब है 'Making of Developed India' (विकसित भारत का निर्माण) है। इन 12 वर्षों के बाद मुझे 'MODI' को 'Man of Destiny for India' (भारत के भाग्य विधाता) कहने में कोई संकोच नहीं है। वह भाग्य है 'स्वर्णिम भारत'। भारत उनके हाथों में सुरक्षित है। मैं श्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी को उनके प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। ■

लेख

विकसित भारत एक नारा नहीं, संकल्प है

नितिन नवीन
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने विश्वास, विकास और जनकल्याण को समर्पित अपने 12 वर्ष पूर्ण किए हैं। 'संकल्प से सिद्धि' का यह गौरवशाली कालखंड भारत के विकास, सुरक्षा, आर्थिक सशक्तीकरण और वैश्विक प्रतिष्ठा में अभूतपूर्व वृद्धि का साक्षी रहा है। कांग्रेस देश को अनिश्चितता, भ्रष्टाचार और कमजोर नेतृत्व की विरासत देकर गई थी, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को आत्मविश्वास, सुशासन और विकास की नई पहचान दी है। कांग्रेस के लिए राजनीति का मतलब वर्षों तक परिवार की विरासत को बचाना रहा, जबकि प्रधानमंत्री मोदी के लिए राजनीति- 'परिवार नहीं राष्ट्र प्रथम' और 'सत्ता नहीं सेवा प्रथम' का मार्ग रही है। यदि हम दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के इतिहास को देखें, तो उनकी सफलता के पीछे जो एक मूलमंत्र नजर आता है, वह है उस राष्ट्र का 'सामूहिक स्वप्न'। भारत के संदर्भ में वर्ष 2014 में पहली बार 140 करोड़ की विशाल जनता को सामूहिक चेतना के एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य प्रधानमंत्री मोदी ने किया। देश को पहला ऐसा नेतृत्व मिला है, जो एक 'प्रधान सेवक' के भाव से 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के महा-संकल्प को लेकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। 2014 में प्रधानमंत्री ने पहले राष्ट्र को एक 'सामूहिक सोच' दी, फिर जन-विश्वास के बल पर उस सोच को 'सामूहिक संकल्प' में बदला, और आज वही संकल्प 'विकसित भारत' के रूप में 'सामूहिक स्वप्न' का रूप ले चुका है।

इस महापरिवर्तन की शुरुआत बुनियादी ढांचे की अभूतपूर्व क्रांति से हुई। 2014 से पहले देश बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा था। आज जमीनी स्तर पर बदलाव का परिणाम है कि 12 करोड़ से अधिक शौचालय बने, 100% विद्युतीकरण हुआ, एक्सप्रेस-वे नेटवर्क 7 गुना बढ़ा और एयरपोर्ट्स 74 से 160 से अधिक हो गए। यह कालखंड मानसिक गुलामी से मुक्ति और वास्तविक 'डी-कलोनाइजेशन' का साक्षी है। लोक कल्याण मार्ग, कर्तव्य पथ और सेवा तीर्थ का नामकरण और योग का वैश्विक प्रसार इसका प्रमाण है। एक समय था जब देश के शीर्ष नेतृत्व ने तत्कालीन 54 करोड़ की आबादी को बोझ माना था, पर आज प्रधानमंत्री मानते हैं कि यही 140 करोड़ देशवासी भारत के विकास की गाथा की सबसे मजबूत कड़ी हैं। इसी सोच ने धारा 370 को हमेशा के लिए निरस्त किया। आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर नक्सलवाद और आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई गई। कोरोना काल में 220 करोड़ से अधिक मुफ्त वैक्सीन डोज और 'वैक्सीन मैत्री' ने वैश्विक स्तर पर भारत की क्षमता का परिचय दिया।

आज का युवा 'जॉब सीकर' नहीं, बल्कि 'जॉब गिवर' बन रहा है। 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स और 125 से ज्यादा यूनिकॉर्न्स के साथ भारत मैनपावर से 'मैन्युफैक्चरिंग पावर' की ओर बढ़ रहा है। इसी प्रकार, देश 'वीमेन डेवलपमेंट' से आगे बढ़कर 'वीमेन लेड डेवलपमेंट' का साक्षी बन रहा है, जहां 3 करोड़ से अधिक 'लखपति दीदी' और सुरक्षा बलों में महिला अधिकारियों की 4 गुना वृद्धि नारीशक्ति के स्वावलंबन को दर्शाती है। मोदी सरकार ने मातृशक्ति को सम्मान, सुरक्षा, स्वाभिमान और हिस्सेदारी देने में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

गरीब कल्याण के क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं ने वंचितों के 'विशियस साइकिल' (दुश्चक्र) को 'वर्चुअल साइकिल' (गुणात्मक चक्र) में बदल दिया है, जिससे 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। 4 करोड़ पक्के घर, 60 करोड़ नागरिकों को आयुष्मान कवच और पीएम मुद्रा योजना के तहत 40 लाख करोड़ रुपए का कोलेटरल-फ्री लोन इसका आधार बना। डिजिटल क्रांति के क्षेत्र में '1 रुपए में से सिर्फ 15 पैसे पहुंचने' के पुराने दौर को समाप्त कर डीबीटी के माध्यम से 51 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खातों में भेजे गए। जनधन-आधार-मोबाइल (जैम) ट्रिनिटी और यूपीआई के माध्यम से आज 314 लाख करोड़ का वार्षिक डिजिटल लेनदेन हो रहा है, जो वैश्विक स्तर पर 49% है। प्रकृति के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हुए भारत ने स्वच्छ भारत अभियान, एक पेड़ मां के नाम और सोलर कैपेसिटी को 2.6 जीडब्ल्यू से 110+ जीडब्ल्यू तक पहुंचाकर ग्रीन अर्थ के संकल्प को सिद्ध किया है।

प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में आज देश के सीमावर्ती क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता मिली है। कभी देश के अंतिम गांव कहे जाने वाले ये क्षेत्र आज भारत के प्रथम गांव के रूप में नई पहचान पा चुके हैं। इसके साथ ही, आज भारत की सैन्य क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और हमारी सेनाएं अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित हैं। 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम और महाकाल महालोक का जीर्णोद्धार हमारे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की उस सभ्यतागत चेतना का पुनर्जागरण है, जो विकास भी, विरासत भी के मूलमंत्र को पूरी सार्थकता से साकार कर रहा है।

पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरे देश का सोचने का ट्रेंड भी बदला है। आज नए भारत का मिजाज ऐसा है, जहां आंत्रप्रेन्योर बनना एक ट्रेंड है, कड़ी मेहनत करना एक ट्रेंड है, और वोकल फॉर लोकल से लेकर मेक इन इंडिया को अपनाना हर नागरिक का मूलमंत्र बन चुका है। यह ऐसा दौर है, जहां तीव्र विकास के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करना एक ट्रेंड है। आज देश में स्पिरिचुअल टूरिज्म का एक नया उभार दिख रहा है और सबसे महत्वपूर्ण बात, 'नेशन फर्स्ट' के भाव के साथ, एक सामूहिक संकल्प के साथ काम करना देश का ट्रेंड बन चुका है। इन तमाम सकारात्मक बदलावों के पीछे प्रधानमंत्री की भूमिका एक ट्रेंडसेटर की रही है, जिन्होंने इनके माध्यम से आज पूरे देश को एकता के एक मजबूत सूत्र में पिरो दिया है। आज भारत न केवल आंतरिक रूप से सशक्त हो रहा है, बल्कि वैश्विक पटल पर भी एक महाशक्ति के रूप में उभरा है। जब प्रधानमंत्री को विश्व के 32 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्राप्त होता है, तो यह वास्तव में सनातन भारतीय सोच और 140 करोड़ देशवासियों के पुरुषार्थ का सम्मान है। यही कारण है कि आज विकसित भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसे देशवासियों ने अटूट विश्वास और संकल्पित भाव से आत्मसात किया है। ■

लेख

‘मोदी इतने सफल इसलिए हैं क्योंकि वे चिंतनशील हैं’

पूर्व प्रधानमंत्री का कहना है कि श्री मोदी, जिन्होंने सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने के मामले में नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा है, ने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में कभी कोई समझौता नहीं किया

एच.डी. देवेगौड़ा
भारत के पूर्व प्रधानमंत्री

मोदी अब भारत के सबसे लंबे समय तक ‘सेवा’ करने वाले, लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री हैं। वह नेहरू के रिकॉर्ड से भी आगे निकल गए है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह इस बात का सबूत है कि भारत में लोकतंत्र न केवल बचा हुआ है, बल्कि फला-फूला भी रहा है। नेहरू को 1947 में कई समान प्रतिभाशाली एवं समर्पित लोगों के बीच से देश का पहला प्रधानमंत्री चुना गया था। असल में, जनता पर गांधी के नैतिक प्रभाव ने ही उनकी नियुक्ति सुनिश्चित की थी। इसके बाद नेहरू, गांधी का आशीर्वाद और स्वतंत्रता आंदोलन की प्रतिष्ठा लेकर 1952 के पहले आम चुनाव में उतरे। उस समय कांग्रेस पार्टी का एकाधिकार था। उसे किसी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का सामना नहीं करना पड़ा। हालांकि 53 राजनीतिक दलों ने आम चुनाव लड़ा, लेकिन उनकी उपस्थिति और प्रभाव नगण्य था। वहां से लेकर 2014 में पहली बार और 2024 में तीसरी बार मोदी के प्रधानमंत्री बनने तक भारत एक बहुत अलग देश बन गया था। आकार, विविधता और अर्थव्यवस्था के मामले में तो यह लगभग पूर्व से तुलना योग्य भी नहीं था।

यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं कि 2014 या 2024 की तुलना में 1952 में प्रधानमंत्री चुना जाना आसान था। यहां तक कि जब मैं 1996 में प्रधानमंत्री बना, तब तक परिस्थितियां, राजनीतिक मापदंड और प्रतिस्पर्धा पूरी तरह से बदल चुकी थीं। देश अधिक सवाल पूछने वाला, अधिक सक्रिय और अधिक परिपक्व हो गया था।

नेहरू-गांधी परिवार के इतर बनने वाले प्रधानमंत्रियों के पास कोई खास रुतबा या चमक-दमक नहीं थी। दूसरों के पास आगे बढ़ने के लिए कोई खास सुविधा, खानदानी रसूख या संरक्षण नहीं था। मोदी और मेरे मामले में, हमारे पास वह सामाजिक और सांस्कृतिक रसूख भी नहीं था जो कई दूसरे प्रधानमंत्रियों को मिला था।

मैं अधिक समय तक पद पर नहीं रहा; मेरा कार्यकाल सिर्फ़ 11 महीने का था और मैं सोचता हूं कि मोदी किस आशीर्वाद से बिना थके शीर्ष पर बने हुए हैं— न तो उनमें कोई थकान दिखती है और न ही उन्हें चुनने वाले लोगों में कोई उबाऊपन आता है। पद पर रहते हुए उनकी सहनशक्ति और काम करने की क्षमता वाकई बहुत खास है।

आइए, कुछ दिलचस्प आंकड़ों पर नजर डालते हैं, जो नेहरू के समय से अब तक आए बड़े बदलावों को दिखाते हैं। अगर केवल राजनीतिक मुकाबले की बात करें, तो 1952 के चुनावों में मैदान में केवल 53 पार्टियां थीं, जबकि 2024 में मोदी का मुकाबला 2,593 पार्टियों से था। नेहरू के समय मतदाताओं की संख्या 17 करोड़ थी, जो 2014 तक बढ़कर 83 करोड़ हो गई। भारत की आबादी, जो 1952 में 34 करोड़ थी, आज 146 करोड़ से अधिक है।

एक और बात जिसने मुझे बहुत प्रभावित किया है, वह यह है कि नेहरू की कैबिनेट में भारत की सामुदायिक, सांस्कृतिक और जातीय विविधता की झलक नहीं मिलती थी। यहां तक कि जब नेहरू प्रधानमंत्री के तौर पर अपने तीसरे और आखिरी कार्यकाल में थे, तब भी उनकी कैबिनेट में अधिकतर ऊंची जाति के लोग ही शामिल थे। नेहरू ने काका केलकर कमीशन की उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया था, जिसमें दबे-कुचले और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था करने

आइए, कुछ दिलचस्प आंकड़ों पर नजर डालते हैं, जो नेहरू के समय से अब तक आए बड़े बदलावों को दिखाते हैं। अगर केवल राजनीतिक मुकाबले की बात करें, तो 1952 के चुनावों में मैदान में केवल 53 पार्टियां थीं, जबकि 2024 में मोदी का मुकाबला 2,593 पार्टियों से था। नेहरू के समय मतदाताओं की संख्या 17 करोड़ थी, जो 2014 तक बढ़कर 83 करोड़ हो गई। भारत की आबादी, जो 1952 में 34 करोड़ थी, आज 146 करोड़ से अधिक है

की कोशिश की गई थी।

इसके उलट, मोदी की मौजूदा कैबिनेट में जबरदस्त विविधता दिखाई देती है। इसमें 27 ओबीसी, 10 एससी और 5 एसटी सदस्य शामिल हैं। महिलाओं का प्रतिनिधित्व भी काफी बढ़ा है। मोदी ने अप्रैल 2026 में संसद की सदस्य संख्या बढ़ाने का भी गंभीरता से प्रस्ताव रखा है, ताकि महिलाओं को ऐतिहासिक प्रतिनिधित्व मिल सके और हमारा देश एक अधिक बेहतर संघ बन सके। उन्होंने महिला आरक्षण बिल को पास करवाने के लिए पुरजोर प्रयास किया।

आज का भारत नेहरू के समय के मुकाबले कहीं अधिक शोर-शराबे वाला और मुखर लोकतंत्र है। जाति को लेकर जागरूकता, संवैधानिक अधिकार, नागरिक अधिकार, जेंडर से जुड़ी जागरूकता और पर्यावरण की चिंताएं जैसे मुद्दे अब बहुत बड़े स्तर पर आ गए हैं। नेहरू के समय में भारत में अधिकतर लोग अशिक्षित थे। साथ ही, लोगों को यह ठीक से पता नहीं था कि लोकतांत्रिक सरकार से क्या उम्मीद की जाए। यह एक नई व्यवस्था थी, लेकिन आज के नागरिक अधिक पढ़े-लिखे और जागरूक हैं। उनकी दृष्टि से कुछ भी नहीं बचता।

नेहरू को अधिक से अधिक आधे दर्जन अखबारों से निपटना पड़ता था, लेकिन मोदी को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म की वजह से हर पल लाखों लोगों की कड़ी नजर का सामना करना पड़ता है; इन प्लेटफ़ॉर्म पर आलोचना अप्रमाणित, अनुचित और बहुत कठोर व व्यक्तिगत भी हो सकती है। इसके अलावा, उन्हें मुख्यधारा की मीडिया की चौबीसों घंटे होने वाली आलोचना और कभी-कभी उनके विरोध का भी सामना करना पड़ता है। नेहरू के समय में टेलीविजन पर समाचार नहीं होते थे।

मैं मोदी को इस बात के लिए बधाई देता हूं कि उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि उनके कार्यकाल में भारत एक मजबूत लोकतंत्र बना रहे। भारत को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाए रखने की उनकी कोशिश, उनकी जन-कल्याणकारी नीतियां और सैन्य टकराव के दौरान उनके निर्णय लेने की क्षमता भी विशेष ध्यान देने लायक हैं। देश के हितों के मामले में उन्होंने कभी कोई समझौता नहीं किया है।

मोदी केवल देश के कार्यकारी प्रमुख ही नहीं, बल्कि देश के मुख्य सलाहकार भी रहे हैं, जिन्होंने लगातार और सहानुभूति के साथ हर तरह के और हर वर्ग के लोगों से बातचीत की है। मैं उनका 'मन की बात' रेडियो प्रोग्राम कभी नहीं छोड़ता। या फिर उनके अवॉर्ड्स की लिस्ट, जिसमें बेहतरीन उपलब्धियां हासिल करने वालों को खोजा और सम्मानित किया जाता है। यहां भी, उन्होंने हर इलाके में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया है। कोई और प्रधानमंत्री ऐसा नहीं है जिसने उनकी तरह टेक्नोलॉजी का उपयोग किया हो। यह सब निःस्वार्थ समर्पण के बिना नहीं हो सकता था। अंत में, मोदी इसलिए सफल हैं क्योंकि वे हमेशा चिंतनशील रहे हैं। उन्होंने खुद को लगातार जांच-परख के लिए खुला रखा है। ■

गुजरात के पूर्व मंत्री एवं भाजपा विधायक योगेश पटेल नहीं रहे

श्रद्धांजलि

भाजपा के वरिष्ठ नेता और गुजरात के विधायक श्री योगेश पटेल का 2 जून, 2026 को 79 साल की उम्र में निधन हो गया। एक अनुभवी राजनेता और सम्मानित जन-प्रतिनिधि श्री योगेश पटेल 2012 से वडोदरा की मंजलपुर विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उन्होंने 2012, 2017 और 2022 में लगातार चुनाव जीते और जमीनी स्तर पर समर्पित नेता के तौर पर अपनी पहचान बनाई। मंजलपुर का प्रतिनिधित्व करने से पूर्व उन्होंने 2002 और 2007 में चुनाव जीतकर रावपुरा विधानसभा क्षेत्र से विधायक के तौर पर अपने दायित्व का निर्वहन किया। उन्होंने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी के नेतृत्व वाली सरकार में नर्मदा विकास और आवास मंत्री के तौर पर भी कार्य किया।

श्री पटेल के निधन पर दुःख जताते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा, "गुजरात विधानसभा के वरिष्ठ सदस्य श्री योगेशभाई पटेल के निधन की खबर से मुझे दुःख हुआ है। उनके निधन से मैंने अपने सार्वजनिक जीवन का एक अनूठा साथी खो दिया है। श्री योगेशभाई हर मायने में जनता के सच्चे नेता थे। उन्होंने हमेशा ईमानदारी, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ जनता के मुद्दों को उठाया। मेरी प्रार्थना है कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति दें। ओम शांति...!!"

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने शोक व्यक्त करते हुए कहा, "गुजरात विधानसभा के वरिष्ठ सदस्य श्री योगेशभाई पटेल जी के निधन की खबर अत्यंत दुःखद है। उन्होंने अपना पूरा जीवन जनसेवा, संगठन के प्रति अटूट निष्ठा और जन-कल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने में समर्पित कर दिया। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति और मोक्ष प्रदान करें तथा इस कठिन समय में शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान करें। ॐ शांति।"

गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भी वरिष्ठ नेता के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया। श्री योगेश पटेल अपने पीछे परिवार, समर्थकों और अनगिनत प्रशंसकों को छोड़ गए हैं, जिनके जीवन को उन्होंने दशकों की जनसेवा के माध्यम से प्रभावित किया। उनका निधन भाजपा और गुजरात की जनता के लिए एक बड़ी क्षति है। ■

लेख

मोदी सरकार में राज्यों के विकास की असीम संभावनाएं

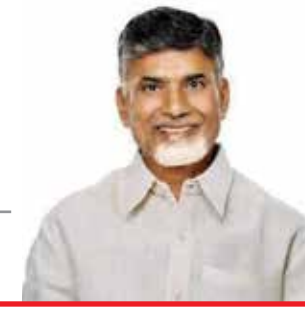

एन. चंद्रबाबू नायडू
आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री

10 जून, 2026 को श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद के कार्यकाल के लगातार 4,399 दिन पूरे हो रहे हैं। यह उपलब्धि उस अटूट भरोसे को दिखाती है जो करोड़ों भारतीयों ने 'राष्ट्र प्रथम' (नेशन फर्स्ट) के सिद्धांत पर आधारित शासन व्यवस्था में जताया है।

सार्वजनिक जीवन में अपने लगभग पांच दशकों के अनुभव मे मुझे कई प्रधानमंत्रियों को करीब से देखने और उनसे बातचीत करने का मौका मिला है; हर एक ने अलग-अलग चुनौतियों और हालात में भारत का नेतृत्व किया। लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी सबसे अलग हैं क्योंकि उन्होंने अपनी सभ्यता पर गर्व करते हुए आधुनिक शासन व्यवस्था के साथ उसका बेहतरीन तालमेल बैठाया है।

एक समय भारत दुनिया की सबसे अमीर और सबसे उन्नत सभ्यताओं में से एक थी। फिर भी, स्वतंत्रता के बाद कई दशकों तक हम अक्सर एक सोए हुए विशालकाय देश की तरह व्यवहार करते रहे— अपनी पहचान को लेकर हिचकिचाहट और दुनिया में अपनी जगह को लेकर अनिश्चितता बनी रही। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपने सांस्कृतिक गौरव एवं आत्मविश्वास को फिर से पाया है।

आज भारत वैश्विक व्यवस्था में कहीं अधिक आत्मविश्वास और रणनीतिक महत्व के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने यह सुनिश्चित किया है कि भारत दुनिया के बड़े देशों के साथ बराबरी के स्तर पर जुड़े और हमेशा 'भारत प्रथम' (इंडिया फार्स्ट) के सिद्धांत का पालन करे।

यह बदलाव केवल पुरानी यादों या पुरानी बातों पर आधारित नहीं है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत के प्राचीन ज्ञान — जैसे योग, प्राणायाम, ध्यान और आध्यात्मिक परंपराओं — को आधुनिक तकनीक, डिजिटल गवर्नेंस और इनोवेशन से होने वाले विकास के साथ जोड़ा है। परंपरा और तकनीक का यह मेल 21वीं सदी में भारत का एक अहम योगदान बन सकता है। 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के माध्यम से योग को दुनिया भर में मिली मान्यता शायद इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण है कि कैसे भारत के प्राचीन ज्ञान को मानवता की भलाई के लिए एक वैश्विक ताकत के तौर पर स्थापित जा सकता है। एक दशक में भारत दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इन 12 सालों की सबसे बड़ी विशेषता रही है इस दौरान मजबूत इरादे और उसे लागू करने की क्षमता पर आधारित गवर्नेंस पर जोर दिया गया। डीपीआई, जन धन खाते, आधार इंटीग्रेशन, यूपीआई और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से भारत ने मानवता के इतिहास में वित्तीय समावेश की सबसे बड़ी मुहिमों को सफलतापूर्वक लागू किया है। दशकों तक लीकेज, कमियों और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही लाभार्थी तक न पहुंच पाने के कारण गरीबी और लोगों का मुख्यधारा से अलग-थलग रहना जारी रहा। तकनीक ने इस खाई को पाटने में मदद की है। बिचौलियों को हटाकर और बड़े पैमाने पर लीकेज को कम करके लाभार्थियों को सीधे 51 लाख करोड़ रुपये से अधिक की रकम ट्रांसफर की गई है। कई मायनों में भारत ने डिजिटल खाई को पाटकर आर्थिक खाई को भी पाटा है।

सामाजिक बदलाव का पैमाना भी उतना ही अहम रहा है। लाखों भारतीयों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया है; आवास, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवा, पानी और ग्रामीण बुनियादी ढांचे में निवेश ने लाखों लोगों के जीवन में सुधार किया है। इसका मूल मंत्र स्पष्ट रहा हैः सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास।

ऐसे समय में जब दुनिया ने महामारी और सप्लाई-चेन के झटकों से लेकर भू-राजनीतिक संघर्षों और आर्थिक अनिश्चितता जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना किया है, भारत मजबूत और स्थिर बना रहा है और सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हाईवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, फ्रेट कॉरिडोर, रेलवे, रिन्यूएबल एनर्जी, मैन्युफैक्चरिंग और उभरती हुई टेक्नोलॉजी में बड़े बदलाव लाने वाले निवेश के माध्यम से देश के दीर्घकालिक निर्माण पर भी ध्यान केंद्रित किया है। ये फैसले तुरंत राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की मजबूत नींव रखने वाले निवेश हैं। टेक्नोलॉजी-आधारित गवर्नेंस और आर्थिक सुधारों की लंबे समय से वकालत करने वाले व्यक्ति के तौर पर मैं विशेष रूप से प्रधानमंत्री श्री मोदी की इस समझ की सराहना करता हूं कि कैसे इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप समाज में बदलाव ला सकते हैं। युवा भारतीय अब केवल विदेशों में ही अवसर नहीं तलाशते; बल्कि वे भारत में ही विश्व-स्तरीय उद्यम बनाने की इच्छा रखते हैं।

एक और अहम बदलाव केंद्र और राज्यों के रिश्तों में आया है। कॉम्पिटिटिव और कोऑपरेटिव फेडरलिज्म (प्रतिस्पर्धी और सहकारी संघवाद) ने राज्यों को नई चीजे करने, मुकाबला करने और आगे बढ़ने के अधिक मौके दिए हैं। राज्यों को अब केवल प्रशासनिक इकाइयों के बजाय राष्ट्रीय विकास के इंजन के तौर पर देखा जा रहा है। आंध्र प्रदेश को इस विकास-केंद्रित साझेदारी से बहुत लाभ हुआ है, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, औद्योगीकरण, अमरावती और नई टेक्नोलॉजी से जुड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं। मैंने अक्सर कहा है कि श्री नरेन्द्र मोदी भारत के लिए सही समय पर सही नेता हैं। 12 साल बाद मेरा यह भरोसा और मजबूत हुआ है। इतिहास इस दौर को केवल आर्थिक विकास या राजनीतिक स्थिरता के लिए नहीं, बल्कि उससे भी गहरी बात के लिए याद रखेगा — और वह है भारत का स्वयं पर भरोसा फिर से कायम होना।

मेरा मानना है कि यह भारत के लिए एक निर्णायक पल है; हमारे देश के लिए एक सुनहरे दौर की शुरुआत है। भरोसे, उम्मीद और सामूहिक संकल्प के साथ मुझे यकीन है कि भारत 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ेगा। ■

लेख

देश की सुरक्षा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

शिवप्रकाश
राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन), भाजपा

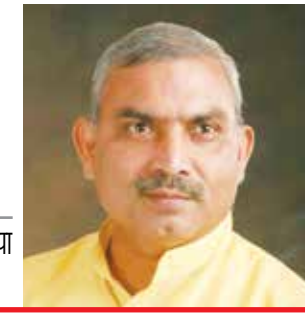

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 10 जून को संवैधानिक चुनाव पद्धति से चयनित सबसे अधिक कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री हो जायेंगे। मोदीजी देश के प्रथम प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू का 4398 दिनों का रिकॉर्ड ध्वस्त कर 4399 दिन अपनी देश सेवा के पूर्ण करेंगे। प्रधानमंत्री मोदीजी अपने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री दोनों के कार्यकाल को जोड़कर 25 वर्षों के साथ ही 9007 दिनों की अनवरत राष्ट्र सेवा को भी पूर्ण करेंगे। यह उत्साही, अविश्रांत, अनथक कर्मयोगी की यात्रा है।

देश के विकास के लिए अनेक कीर्तिमान गढ़ने वाले कठोर निर्णयों के लिए तो 12 वर्षों का उनका कार्यकाल अविस्मरणीय रहेगा ही, साथ-साथ देश की सुरक्षा के लिए भी उनके योगदान और भुलाया नहीं जा सकता। राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए उन्होंने आतंकवाद से प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाया। 13 जून, 2014 को भारतीय सेना के साउथ ब्लॉक में स्थित रक्षा वॉर रूम में सेना उच्च अधिकारियों के साथ संवाद एवं रक्षा तैयारियों की समीक्षा कर ही अपनी सुरक्षा के प्रति प्राथमिकता को स्पष्ट कर दिया था। जब समस्त देश दीपावली पर दीपों से अपने-अपने घरों को प्रकाशमान करता है तब प्रधानमंत्री सीमा पर सुरक्षा में तैनात जवानों के बीच में उपस्थित रहकर देश उनके साथ है ऐसा संदेश देते हैं। सियाचिन से प्रारंभ कर 12 वर्षों में 12 स्थानों पर जाकर उन्होंने अपनी सीमा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट की है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आने के बाद 2014 रक्षा विभाग का बजट 2.27 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 3 गुना 7.85 लाख करोड़ रुपए हो गया। आज हम 100 से अधिक देशों को अपने रक्षा उत्पाद बेच रहे हैं। अब हमारा निर्यात में 2014 की तुलना में 686 करोड़ रुपए से बढ़कर 2025 -26 में 38424 करोड़ रुपए अर्थात 56 गुना वृद्धि हुई है। अब हम हाइपर सोनिक मिसाइल, ब्रह्मोस, बैलिस्टिक मिसाइल, एयर डिफेन्स एवं रडार सिस्टम को ध्वस्त करने वाले रुद्रम -2, प्रलय, आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल बना रहे हैं। भारत का स्वदेशी आईएनएस विक्रांत, राफेल, एस -400 विमानों से हम युक्त हैं

आचार्य चाणक्य ने राष्ट्र की सुरक्षा के संदर्भ में कहा था, "मजबूत सेना के बिना राष्ट्र सुरक्षित नहीं रह सकता।" 1962 में चीन युद्ध में हमारी पराजय तथा 1964 में चीन के परमाणु परीक्षण के बाद निर्मित निराशाजनक स्थिति से उबारने के लिए भारत को भी परमाणु शक्ति युक्त होना चाहिए, यह मांग जनसंघ ने 4 दिसम्बर 1964 को पटना अविवेशन में की थी। तब कांग्रेस सहित समस्त दलों ने इस मांग का उपहास किया था। जनसंघ के इसी संकल्प की पूर्ति को 1974 के परमाणु विस्फोट के बाद 11 मई, 1998 को प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पोखरण विस्फोट कर पूर्ण किया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आने के बाद 2014 रक्षा विभाग का बजट 2.27 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 3 गुना 7.85 लाख करोड़ रुपए हो गया। आज हम 100 से अधिक देशों को अपने रक्षा उत्पाद बेच रहे हैं। अब हमारा निर्यात में 2014 की तुलना में 686 करोड़ रुपए से बढ़कर 2025 -26 में 38424 करोड़ रुपए अर्थात 56 गुना वृद्धि हुई है। अब हम हाइपर सोनिक मिसाइल, ब्रह्मोस, बैलिस्टिक मिसाइल, एयर डिफेन्स एवं रडार सिस्टम को ध्वस्त करने वाले रुद्रम -2, प्रलय, आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल बना रहे हैं। भारत का स्वदेशी आईएनएस विक्रांत, राफेल, एस-400 विमानों से हम युक्त हैं। आर्मेनिया ने येरेवान रिपब्लिक स्क्वायर में भारत में बनी 'आकाश' एयर डिफेन्स मिसाइल एवं पिनाका रॉकेट लौनचर्स का प्रदर्शन भारतीयों को मस्तक ऊंचा करता हैं। 15 अगस्त, 2025 को लाल किला से प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि "स्वदेशी क्षमताओं, मेड इन इंडिया हथियारों ने सिद्ध किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा विदेशी निर्भरता पर नहीं टिक सकती।" इसी का परिणाम ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने 22 मिनट में ही सभी निर्धारित लक्ष्य पूर्ण कर किए थे। 72000 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होने वाली ग्रेट निकोबार परियोजना भारत की आर्थिक समृद्धि, सामुद्रिक रणनीति एवं सुरक्षा का आधार बनेगी।

सेना में स्वदेशी रक्षा उत्पाद, रक्षा बजट में वृद्धि, सेना के आधुनिकीकरण के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा पर सफलता प्राप्त करना ऐतिहासिक कदम है। 2014 से पूर्व पाकिस्तान प्रेरित

आतंकवाद चरम पर था। केवल कश्मीर ही नहीं देश का कोई शहर सुरक्षित नहीं था। मुंबई, जयपुर, दिल्ली, काशी सहित अनेक आतंकी घटनाएं आज भी हमको विचलित करती हैं। सुरक्षाबलों को आधुनिक शस्त्र, बुलेट प्रूफ जैकेट, टेरर फंडिंग पर रोक हेतु 'NO MONEY FOR TERROR' जैसे कड़े कदम, FATF के माध्यम से वित्तीय दबाव के साथ सर्जिकल एवं बालाकोट एयर स्ट्राइक के माध्यम से आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने का कार्य किया। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में स्थापित आतंकी केंद्रों का सफाया एवं पाकिस्तान के सुरक्षा तंत्र को ध्वस्त किया। 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय कर देश की एकात्मता को सुदृढ़ किया है।

इस ऐतिहासिक दिन को देश ही नहीं सम्पूर्ण विश्व स्मरण करेगा, जब हमने कहा कि 31 मार्च 2026 वामपंथ प्रेरित नक्सलवाद से हम मुक्त हो रहे हैं। 2024 में 126 जिले नक्सलवादी आतंक से युक्त थे। 2024 में ही केवल 290 नक्सली मारे गए। 1090 गिरफ्तार हुए। 881 ने आत्मसर्पण कर भारत की मुख्यधारा में लौटने का संकल्प किया। अब बस्तर सहित सभी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की बयार बह रही है।

घुसपैठिये देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सुरक्षा के लिए खतरा एवं जनसांख्यिकी असंतुलन निर्माण कर रहे हैं। भारत सरकार ने इस संकट से उबरने के लिए 'डिटेक्ट, डिलीट, डिपोर्ट' नीति के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की है। सीमा की निगरानी को सख्त किया है। बंगाल भाजपा विजय के पश्चात् बांग्लादेशी घुसपैठियों की बांग्लादेश की ओर वापसी की लाइन हम देख रहे हैं। 15,106 किलोमीटर सीमा 'सोती रेखा से जागती दीवार' लक्ष्य में Laser Wall, Vibration sensors, Night vision camera का उपयोग हो रहा है। सीमा सुरक्षा के लिए 49% बजट वृद्धि कर 5597 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया है।

अदृश्य युद्ध के माध्यम से भारत की साइबर सुरक्षा को चुनौती देने का कार्य भारत विरोधी शक्तियां कर रही हैं। राज्यसभा में प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार भारत ने लगभग 54 लाख साइबर शिकायतों एवं 31594 करोड़ रुपयों के ठगी के प्रयासों का सामना करने में भारत सफल रहा। भारत सरकार ने 2024 में साइबर कमांडो व्यवस्था निर्माण का साइबर सुरक्षा प्रदान करने की व्यवस्था की है। DCYA (DEFENCE CYBER AGENCY) एवं I4C के माध्यम से समन्वय कर साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में प्रयास हो रहा है। देश को नशामुक्त बनाने हेतु व आतंकवाद जैसी समस्याओं के आय के प्रमुख स्रोत ड्रग्स के गैर-कानूनी व्यापार पर करारा प्रहार करते हुए लगातार उनको जब्त किया जा रहा है। 2024 में ही 25,330 करोड़ रुपये के ड्रग्स की जब्ती इस बात का पुख्ता प्रमाण है।

अपने पंच प्रण के संकल्प में भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का आह्वान भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। इसका अनुपालन करते हुए ऑपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति एवं भारतीय स्वाभिमान में वृद्धि के अनेक प्रयास हुए हैं। IPC, CRPC की धारायें अब भारतीय न्याय संहिता हो गई हैं। राजपथ अब कर्तव्यपथ, 7 रेस कोर्स रोड—7 लोक कल्याण मार्ग, प्रधानमंत्री कार्यालय—सेवा तीर्थ एवं राजभवन—लोकभवन हो गए हैं

सीमा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान सीमावर्ती गांव में बसे ग्रामीणों का रहता है। उनके मन में अपने प्रति उपेक्षा भाव न रहे इसलिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2023 में कहा, "ये अंतिम गांव नहीं, भारत मां के प्रथम गांव है। VVP (VIBRANT VILLAGES PROGRAM) PHASE 1 -2 के अंतर्गत 4121 गांवों के विकास के लिए लगभग 11639 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया है जिसके द्वारा मौसम अनुकूल सड़क (ALL WEATHER ROAD), सौर उर्जा, मोबाइल कनेक्टिविटी, शिक्षा स्वास्थ्य एवं पर्यटन का ढांचा खड़ा किया जा रहा है। 2023 में लालकिला के मैदान में 600 सीमावर्ती गांवों के सरपंचों की सहभागिता ने सीमा एवं दिल्ली का संगम कर दिया है।

अपने पंच प्रण के संकल्प में भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का आह्वान भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। इसका अनुपालन करते हुए ऑपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति एवं भारतीय स्वाभिमान में वृद्धि के अनेक प्रयास हुए हैं। IPC, CRPC की धारायें अब भारतीय न्याय संहिता हो गई हैं। राजपथ अब कर्तव्यपथ, 7 रेस कोर्स रोड—7 लोक कल्याण मार्ग, प्रधानमंत्री कार्यालय—सेवा तीर्थ एवं राजभवन—लोकभवन हो गए हैं। CDS की नियुक्ति ने तीनों सेनाओं में समन्वय किया है। नेवी का प्रतीक चिन्ह अब ब्रिटिश दासता का स्मरण नहीं छत्रपति शिवाजी का स्मरण कराता, तिरंगे में अष्टकोणीय चिन्ह के साथ शिवाजी की राजमुद्रा से अंकित एवं वेद मंत्र 'शं नो वरुणः' एवं अशोक स्तम्भ का स्मरण कराता है। गणतंत्र दिवस के पश्चात् सेना द्वारा आयोजित बीटिंग रिट्रीट (BEATING RETREAT) परेड में अब अंग्रेजी धुन नहीं प्रसिद्ध गायिका स्वर्गीय लता मंगेशकर द्वारा रचित देशभक्ति गीत 'ए मेरे वतन के लोगो' ने स्थान ले लिया है। सेना में महिला सहभागिता, सैनिक स्कूलों में वृद्धि एवं अग्निवीर योजना से सुरक्षा तंत्र में समाज की सहभागिता बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ऐतिहासिक सुरक्षा के प्रति किए गए निर्णय सदैव स्मरण किए जाएंगे। राष्ट्र की संप्रभुता, आर्थिक विकास, शांति सभी के लिए सुरक्षा अनिवार्य शर्त है। सुरक्षा के प्रति किए गए उपायों का ही परिणाम है कि आज देश गरीब कल्याण, ढांचागत एवं आर्थिक विकास कर अपने सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करते हुए विश्व में अपना गौरवपूर्ण स्थान बना रहा है। भारत सुरक्षा के प्रति सजग रहते हुए 2047 तक 'विकसित भारत' के अपने लक्ष्य प्राप्ति में सफल हो, यह सभी नागरिकों का संकल्प बनना चाहिए। ■

चोल साम्राज्य के समृद्ध इतिहास और संस्कृति पर हम सभी को बहुत गर्व है: नरेन्द्र मोदी

नीदरलैंड में चोल काल की प्राचीन ताम्र पट्टिकाएं भारत को वापस सौंपी गई

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 31 मई को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 134वीं कड़ी की शुरुआत करते हुए कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों में हमारे देश के लोग देशहित में, समाजहित में ऐसी अद्भुत चीजें कर रहे हैं और जब उनके विषय में सुनते हैं तो हमें एक नई प्रेरणा मिलती है। आज कार्यक्रम की शुरुआत मैं एथलेटिक्स में देश की ऐसी ही उपलब्धि से करूंगा। कुछ दिन पहले ही झारखंड के रांची में नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन कॉम्पिटिशन हुआ। इसमें करीब 800 एथलीट ने हिस्सा लिया, जो देशभर से आए थे। इस दौरान चार अलग-अलग इवेंट में चार राष्ट्रीय रिकॉर्ड टूटे।

श्री मोदी ने कहा कि एक इवेंट जिसकी देशभर में बहुत चर्चा हो रही है, वह है– 100-meter Race, सौ मीटर की दौड़। महज दो दिनों के भीतर पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन बार टूटा।

हमारे यहां गर्मी से लड़ने का तरीका कई बार रसोई में भी मिलता है। आपने भी देखा होगा जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे घर की रसोई का स्वाद बदल जाता है, रसोई का प्रकार बदल जाता है। कहीं मटके का पानी निकल आता है, कहीं दही जमने लगती है, तो कहीं कच्चे आम उबलने लगते हैं और फिर शुरू होता है देसी पेय का दौर। देसी पेय से आप भी परिचित हैं, अगर आप उत्तर भारत में जाएंगे तो काफी जगह आपको मिलेगा आम पन्ना, कच्चे आम का स्वाद और गर्मी से राहत भी। पंजाब-हरियाणा जाइए तो लस्सी मिल जाएगी, बड़े गिलास वाली लस्सी

गर्मी से लड़ने का तरीका कई बार रसोई में भी मिलता है

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस समय देश के ज्यादातर हिस्सों में बहुत गर्मी पड़ रही है। तेज धूप, गर्म हवाएं, ऐसे मौसम में अपना ध्यान रखना बहुत जरूरी है। पानी पीते रहिए। धूप में अगर निकलना ही पड़े तो थोड़ा संभल कर निकलें। इस दिशा में सरकार के भिन्न-भिन्न विभागों ने जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वो भी भूलियेगा नहीं।

श्री मोदी ने कहा कि हमारे यहां गर्मी से लड़ने का तरीका कई बार रसोई में भी मिलता है। आपने भी देखा होगा जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे घर की रसोई का स्वाद बदल जाता है, रसोई का प्रकार बदल जाता है। कहीं मटके का पानी निकल आता है, कहीं दही जमने लगती है, तो कहीं कच्चे आम उबलने लगते हैं और फिर शुरू होता है देसी पेय का दौर। देसी पेय से आप भी परिचित हैं, अगर आप उत्तर भारत में जाएंगे तो काफी जगह आपको मिलेगा आम पन्ना, कच्चे आम का स्वाद और गर्मी से राहत भी। पंजाब-हरियाणा जाइए तो लस्सी मिल जाएगी, बड़े गिलास वाली लस्सी।

उन्होंने कहा कि राजस्थान और गुजरात में छाछ, जैसे हर खाने की साथी बन जाती है और बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में सत्तू का शरबत, उसकी तो बात ही क्या है- पेट भी भरे, ताकत भी दे। कोंकण और गोवा में कोकम शरबत, सोल कढ़ी। दक्षिण भारत में पानकम, नीर मोर, सम्बारम और ओडिशा में बेल पना, वो सिर्फ पेय नहीं, भारत के अलग-अलग क्षेत्रों की परंपरा का हिस्सा है और इसमें 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना की झलक भी मिलती है। और एक बात जरूर ध्यान रखियेगा, इनमें से ज्यादातर चीजें हमारी अपनी रसोई से निकली हैं, हमारे खेत-खलिहान से निकली हैं। कोई बड़ी ब्रांडिंग नहीं है, लेकिन पीढ़ियों का अनुभव उनमें समाया हुआ है। आप भी गर्मी के दौरान देसी पेजयलों का खूब आनंद लीजिए।

'मन की बात' एक सशक्त मंच है जो गुमनाम नायकों को राष्ट्रीय पहचान दिलाता है

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भाजपा मुख्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ सुना।

श्री नवीन ने बताया कि प्रधानमंत्री ने भीषण गर्मी के दौरान स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया। साथ ही, उन्होंने 'स्थानीय से वैश्विक' स्तर पर भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहचान, उभरती खेल प्रतिभाओं, नवाचार, विज्ञान और खगोल विज्ञान में युवाओं की बढ़ती रुचि, जल संरक्षण में जनभागीदारी और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ-साथ वैश्विक सम्मान जैसे प्रेरक विषयों पर अपने विचार साझा किए।

उन्होंने कहा कि 'मन की बात' एक सशक्त मंच है जो देश के गुमनाम नायकों और जनभागीदारी के प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान दिलाता है, जो हम सभी को सकारात्मक बदलाव की ओर प्रेरित करता है।

आम की पहुंच: गांव से वैश्विक बाजार तक

श्री मोदी ने कहा कि गर्मी आते ही एक और चर्चा हर घर में शुरू हो जाती है और वो है आम। आम, आम चर्चा का विषय होता है, भारत में शायद ही कोई घर होगा जहां गर्मियों में आम की बात न होती हो। हर इलाके का अपना आम, अपना स्वाद, अपनी खुशबू। महाराष्ट्र और कोंकण का हापुस, अलफांसो, गुजरात का केसर, यह तो आमरस की जान है, उत्तर प्रदेश का दशहरी और मेरी काशी का लंगड़ा। वैसे, लंगड़ा आम की एक खास बात होती है—पकने के बाद भी उसका रंग कई बार हरा ही रहता है। बिहार का जर्दालू जिसकी खुशबू दूर से पहचान में आ जाए। चौसा, मालदा—हर नाम के साथ लोगों की यादें जुड़ी हुई हैं। दक्षिण भारत जाइए, तो बंगनपल्ली, तोतापुरी, नीलम, मलगोवा, बंगाल का हिमसागर, ओडिशा और आंध्र प्रदेश का सुवर्णरेखा। यानी, जगह बदलती है, आम का रूप-रंग और उसका स्वाद भी बदल जाता है।

उन्होंने कहा कि आम की ये यात्रा अब गांव से वैश्विक बाजार तक भी पहुंच रही है। आज 'मन की बात' के माध्यम से मैं आम की पैदावार से जुड़े अपने किसान भाई-बहनों की प्रशंसा करूंगा। आप देश की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए आम किसान नहीं बहुत विशेष हैं। ऐसे ही छाए रहिए।

प्रधानमंत्री की नीदरलैंड यात्रा: चोल काल की प्राचीन ताम्र पट्टिकाएं वापस सौंपी गई

श्री मोदी ने कहा कि बीते दिनों मुझे यूरोप के नीदरलैंड जाने का अवसर मिला। वहां मैं कई मीटिंग में शामिल हुआ। इसी दौरान एक ऐसा क्षण आया जिसने हर भारतीय को गर्व से भर दिया। नीदरलैंड में आयोजित एक विशेष समारोह में चोल काल की प्राचीन ताम्र पट्टिकाएं भारत को वापस सौंपी गई। उस कार्यक्रम में नीदरलैंड के प्रधानमंत्री भी मौजूद थे। इन ताम्र पट्टिकाओं को लेकर मुझे देश-विदेश से लगातार संदेश मिल रहे हैं। लोग खुशी जता रहे हैं, गर्व व्यक्त कर रहे हैं। दुनियाभर के तमिल समुदाय में भी इसे लेकर विशेष उत्साह है।

उन्होंने कहा कि इन ताम्र पट्टिकाओं को लेकर लोगों में काफी जिज्ञासा भी है। इसलिए आज मैं इससे जुड़ी कुछ बातें आपसे साझा करना चाहता हूं। इनमें 21 बड़ी और तीन छोटी ताम्र पट्टिकाएं हैं। ये मुख्य रूप से राजा राजेंद्र चोला-प्रथम द्वारा अपने पिता राजा राजराजा चोला के एक वचन को पूरा करने से जुड़ी हैं। इनमें आनइमंगलम् गांव को एक बौद्ध विहार को दान देने का उल्लेख है। इन ताम्र पट्टिकाओं में चोल वंश की उपलब्धियों का भी वर्णन मिलता है। इनसे पता चलता है कि चोल साम्राज्य की समुद्री शक्ति कितनी मजबूत थी। दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ उनके संबंधों की जानकारी भी इनमें मिलती है।

श्री मोदी ने कहा कि चोल साम्राज्य के समृद्ध इतिहास और संस्कृति पर हम सभी को बहुत गर्व है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भारत की ऐसी अमूल्य धरोहरों के संरक्षण के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में 'ज्ञान भारतम् अभियान' के तहत छत्तीसगढ़ के मल्हार में भी एक महत्वपूर्ण खोज हुई है। यहां तीन दुर्लभ ताम्र पट्टिकाएं मिली हैं। ये पांडुवंशी राजवंश के महर्षि बालार्जुन के शासनकाल से जुड़ी मानी जा रही हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि ये अभिलेख छठी-सातवीं सदी के हैं यानी चौदह सौ-पंद्रह सौ साल पुरानी ये ताम्र पट्टिकाएं प्राचीन ब्राह्मी लिपि और पाली भाषा में लिखी गई हैं। इनसे उस समय की शासन-व्यवस्था, धर्म और संस्कृति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के हर गांव में, हर शहर में कुछ-न-कुछ ऐसा हो रहा है जो हमें प्रेरणा देता है। कई बार इन प्रयासों की ज्यादा चर्चा नहीं होती, लेकिन जब हम इन्हें जानते हैं, तो ये विश्वास और मजबूत होता है कि देश अपने लोगों की शक्ति से आगे बढ़ रहा है। मेरा आपसे आग्रह है, अपने आसपास ऐसे प्रयासों को जरूर देखिए। जो लोग समाज के लिए अच्छा काम कर रहें हैं, उन्हें पहचानिए, उनकी सराहना कीजिए, उनसे सीखिए और हो सके तो खुद भी किसी अच्छे काम से जुड़िए। ■

सूरत (गुजरात) में 5 जून, 2026 को विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखते एवं उनका उद्घाटन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

दमन में 5 जून, 2026 को विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखते एवं उनका उद्घाटन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

हैदराबाद हाउस (नई दिल्ली) में 4 जून, 2026 को वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति सुश्री डेल्सी रोड्रिगेज से भेंट करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

सेवा तीर्थ (नई दिल्ली) में 27 मई, 2026 को 51वीं प्रगति बैठक की अध्यक्षता करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

हैदराबाद हाउस (नई दिल्ली) में 22 मई, 2026 को साइप्रस गणराज्य के राष्ट्रपति श्री निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स से मुलाकात करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

हैदराबाद हाउस (नई दिल्ली) में 1 जून, 2026 को म्यांमार गणराज्य के राष्ट्रपति श्री यू मिन आंग ह्लाइंग से भेंट करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 17 जून, 2026
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953

छायाकार: अजय कुमार सिंह